RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः08 , बुधवार, 18 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी में "मोटिवेशन मॉडल" की सफलताः एसपी स्वर्ण प्रभात की पहल से बढ़ा मनोबल 03

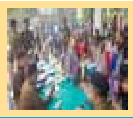

तुरकौलिया थाना परिसर में जनता दरबार, एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं 04

आईना हैं अनुभव सिन्हा की फिल्में, वह बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं.. 07

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला, 11 सैनिकों की मौत

- विस्फोटक से लदा वाहन चेकपोस्ट से टकराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार को बताया कि उत्तर-पश्चिमी इलाके बाजौर में हुए एक आतंकवादी हमले में ग्यारह सुरक्षा बल के जवान की मौत हो गई। सेना ने बताया कि इस घटना में महिलाओं और बच्चों समेत सात अन्य लोग भी घायल हुए हैं। खैबर पख्तूनख्वा के बजौर जिले में आतंकवादियों ने एक संयुक्त सुरक्षा चौकी को निशाना बनाया। हमलावरों ने विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी को चौकी की दीवार से टकरा दिया, जिससे इमारत ढह गई और

11 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि पास के नागरिक घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा, जिसके कारण एक मासूम बच्ची की जान चली गई और महिलाओं एवं बच्चों समेत 7 अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि 16 फरवरी को बाजौर जिले में सिक्योरिटी फोर्स और लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों के जॉइंट चेक पोस्ट पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला करने की कोशिश की। बयान में आगे कहा गया कि सिक्योरिटी फोर्स की जवाबी कार्रवाई और भागते हुए हमलावर पर सटीक हमले के बाद 12 आतंकवादी मारे गए। अपनी हताशा में, हमलावरों ने विस्फोटक से भरी गाड़ी को दीवार से टकरा दिया।

सुकमा में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता

- 22 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। सुकमा में मंगलवार को 22 नक्सलियों ने पुलिस अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति और पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान से प्रभावित होकर इन्होंने सरेंडर करने का फैसला किया

था। सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने मुख्यधारा में शामिल होकर सरकार के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई। नक्सलियों ने कहा कि वह माओवादियों की खोखली विचारधारा से तंग आ गए थे जिस कारण से उन्होंने सरेंडर करने का फैसला किया। नक्सलियों के सरेंडर की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियानों, नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना, सुदृढ़ सड़क संपर्क और विकास कार्यों की बढ़ती पहुंच के चलते माओवादी संगठन का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। इसी का परिणाम है कि माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ पुनर्वास नीति पर भरोसा जताया है। सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने कहा कि, नक्सल संगठन अब कमजोर पड़ गया है। 22 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है।

स्वदेशी तकनीक से फिर चालू किया न्यूक्लियर पावर प्लांट

- ऐसा करने वाला भारत बना एशिया का पहला देश, बड़ी सफलता

मुंबई (एजेंसी)। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा उत्पादन कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित देश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र (टीएपीएस) की यूनिट-1 जीर्णोद्धार के बाद पुनः 160 मेगावाट का बिजली उत्पादन करने लगा है। इस प्रकार भारत किसी परमाणु ऊर्जा संयंत्र को पूर्णतया स्वदेशी तकनीक से जीवनकाल विस्तार देने वाला एशिया का पहला देश बन गया है। कुछ ही महीनों में 160 मेगावाट क्षमता वाले टीएपीएस-2 का जीर्णोद्धार पूरा हो जाएगा। 1969 में चालू किए गए टीएपीएस-1 और टीएपीएस-2, पूर्व में सोवियत संघ के बाहर एशिया के पहले परमाणु ऊर्जा रिएक्टर थे। नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम की श्रृंखला में इन

दोनों परमाणु रिएक्टरों की कहानी केवल दीर्घायु की कहानी नहीं है, बल्कि निरंतर सीखने, अनुकूलन और नवीनीकरण की भी कहानी है। सामान्यतया परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की आयु 40 से 50 वर्ष मानी जाती है। इसके बाद ज्यादातर देश अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को डी-कमीशन कर देते हैं। जबकि 1969 में शुरू हुए टीएपीएस-1 एवं टीएपीएस-2 अपने पहले कार्यकाल में 57 वर्ष सेवाएं देने के बाद भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत की है।

- **जमकर किया बिजली का उत्पादन-** अपने पूरे कार्यकाल के दौरान, टीएपीएस-1 और टीएपीएस-2 ने 1,00,000 मिलियन यूनिट से अधिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन किया है, जिससे पर्यावरण में 86 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन को रोका जा सका है। इन उच्च स्तरीय, जटिल और विशिष्ट गतिविधियों की सफल समाप्ति ने एक बार फिर एनपासीआईएल की विशेषज्ञता, परिपक्वता और क्षमता पर मुहर लगा दी है। टीएपीएस-1 और 2 पहली पीढ़ी के बीडब्ल्यूआर (उबलते पानी से चलनेवाले रिएक्टर) हैं। इनमें लो एनरिच्ड यूरेनियम को कूलेंट एवं मॉडरेटर के रूप में उपयोग किया जाता है। दोनों इकाइयों ने 31 अक्टूबर 1968 को प्रारंभिक पूर्णता प्राप्त कर ली और 1969 की शुरुआत में ही इन्हें ग्रिड के साथ सिंक्रनाइज कर दिया गया था। टीएपीएस-1 ने 28 अक्टूबर 1969 को व्यावसायिक परिचालन शुरू किया, जिसके तुरंत बाद यूनिट-2 भी शुरू हो गई। इस प्रकार भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के जनक डॉ. होमी जहांगीर भाभा के परिकल्पना के अनुसार 210 मेगावाट प्रति यूनिट की मूल क्षमता के साथ तारापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र ने भारत को परमाणु ऊर्जा को अपनाने वाले शुरुआती देशों में मजबूती से स्थापित किया और भविष्य में स्वदेशी रिएक्टर विकास की नींव रखी। बाद में कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण दोनों रिएक्टरों की क्षमता को घटाकर 160 मेगावाट कर दिया गया था।

तेजस, राफेल, और सुखोई देख फिर कांपेगा पाक

- ऑपरेशन सिंदूर की तरह एयरफोर्स फिर दिखाएगी ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर भारतीय वायुसेना बमबारी करने की तैयारी कर रही है। राज्य के बॉर्डर इलाके में नई तकनीक से बमबारी का अभ्यास किया जाएगा। इस एक्सरसाइज में एक नया एयरक्राफ्ट भी दिखाई देगा, जो बाज की तरह आसमान में मंडराएगा और तुरंत हमले कर सकेगा। भारतीय वायु सेना 27 फरवरी 2026 को जैसलमेर के पोखरण एयर टू ग्राउंड रेंज में वायुशक्ति-26 अभ्यास में अपनी क्षमता प्रदर्शित करेगी। सबसे पहले, सबसे तेज और सबसे प्रभावी

प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई करने वाली भारतीय वायु सेना, दुश्मन पर त्वरित मार करने, आरंभ से ही हावी होने और सामरिक कार्रवाई को रणनीतिक तौर पर अंजाम देने की अपनी क्षमता प्रदर्शित करेगी। अभ्यास में यह भी प्रदर्शित होगा कि भारतीय वायु सेना देश के भीतर और विदेशों में संघर्ष क्षेत्रों में त्वरित हवाई सहायता और बचाव एवं निकासी प्रदान कर मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका किस तरह निभाती है।

दोहराई जाएगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

वायुशक्ति-26 ,ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भी दर्शाएगा, जो हवाई क्षेत्र में प्रभुत्व, लंबी दूरी तक सटीकता से मार करने, बहु-क्षेत्रीय अभियानों और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना से निर्देशित स्वदेशी प्लेटफार्मों द्वारा निर्णायक प्रभावकारी क्षमता संपन्न भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता की पुष्टि करता है।

अचूक, अभेद्य और सटीक के मूल मूल्यों से प्रेरित यह अभ्यास, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना के एक प्रमुख घटक के रूप में भारतीय वायु सेना की भूमिका की पुष्टि कर राष्ट्र को सुरक्षित रखने के प्रति आश्वस्त कराएगा।

सड़क हादसे रोकने में अब एआई निभाएगा बड़ी भूमिका

- परिवहन विभाग का नया विजन, प्रदूषण कम करने पर भी जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में सड़क दुर्घटनाओं से बचने और वाहनों के प्रदूषण की समस्याओं को नियंत्रित करने में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) मददगार हो सकता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारी पंकज अग्रवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में इंडिया एआइ इम्पैक्ट समिट के दौरान कहा कि सड़क और परिवहन उद्योग में एआई के एकीकरण की बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों में ड्राइविंग को

पाठ्यक्रम में शामिल करने से इस दिशा में मदद मिल सकती है। भारत में सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए डाटा-आधारित समाधान पर पैनल चर्चा के दौरान, उन्होंने कहा कि एआइ दुर्घटनाओं से बचने और मृत्यु दर कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि डाटा से पता चलता है कि ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की समस्या तेज गति है।

- **बिहार में मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से अधिक-** उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि डाटा के अनुसार बिहार में मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। प्रदूषण के संदर्भ में अग्रवाल ने कहा, हम इसके लिए भी एआई उपकरण विकसित कर रहे हैं क्योंकि पर्यावरण शहरों में बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के तरीके को लेकर भी सरकार कदम उठा रही है, क्योंकि यहां डाटा को गलत तरीके से पेश किया जा सकता है। उन्होंने एआई के माध्यम से ड्राइविंग को स्कूल पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने का भी सुझाव दिया, क्योंकि इससे युवाओं में जागरुकता पैदा हो सकती है। आईआईटी मद्रास इस पर काम कर रहा है।

महाराष्ट्र के वर्धा में बड़ा ट्रेन हादसा

- जीटी एक्सप्रेस में भीषण आग, सामने आया खौफनाक वीडियो

वर्धा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वर्धा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां ग्रैंड ट्रैक एक्सप्रेस ट्रेन की एक बोगी में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही ट्रेन को रुकवाया गया और सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। इस हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। ट्रेन में आग लगने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ट्रेन की बोगी से आग की लपटें निकल रही हैं। ट्रेन रेलवे ट्रैक पर खड़ी है और आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह ट्रेन नागपुर से वर्धा जा रही थी। हेलोडी के पास अचानक ट्रेन की एक बोगी में आग लग गई। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है।

नमाज से पहले फटेंगे 19 बम

- मुसलमान कोर्ट से बाहर निकल जाएं
- राजस्थान में ईमेल के जरिए फैला रहा कोई दहशत

जयपुर/जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के न्याय मंदिर पर आज सुबह उस वक्त संकट के बादल मंडराने लगे, जब एक अज्ञात ईमेल ने पुलिस और प्रशासन की नींद उड़ा दी। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर और जयपुर बेंच को एक साथ बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मोर्चा संभाल लिया है। यह केवल एक धमकी नहीं, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। धमकी वाले ईमेल में लिखा था

कि दोपहर की इस्लामी नमाज से पहले कोर्ट में 19 बम फटेंगे। कोर्ट में मौजूद सभी मुसलमानों को दोपहर 12.20 बजे तक बाहर निकाल लिया जाना चाहिए। मंगलवार की सुबह जब वकील और फरियादी अपने मुकदमों की तैयारी में जुटे थे, तभी हाईकोर्ट प्रशासन को एक खौफनाक ईमेल प्राप्त हुआ। इसमें दावा किया गया कि परिसर के भीतर विस्फोटक रखे गए हैं।

- **अदालत में 'इमरजेंसी' जैसे हालात-** सुरक्षा के मद्देनजर हाईकोर्ट के डिस्प्ले बोर्ड पर लाल अक्षरों में सूचना फ्लैश हुई कामकाज स्थगित। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा क्लियरेंस मिलने के बाद ही सुबह 11.30 बजे से कार्यवाही शुरू होगी। इस बीच, सुरक्षा व्यवस्था को हमेशा के लिए सख्त बनाने के लिए नए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अब केवल उन्हीं लोगों को प्रवेश मिलेगा जिनके पास बार काउंसिल या प्रशासन का वैध पहचान पत्र होगा। अनाधिकृत व्यक्तियों और संदिग्धों पर नजर रखने के लिए प्रवेश द्वारों पर चेकिंग की संख्या दोगुनी कर दी गई है। हाल के महीनों में कई बड़े संस्थानों को मिलने वाली होक्स कॉल और फर्जी ईमेल्स के बीच, यह घटना राजस्थान पुलिस के लिए सिरदर्द बन गई है। क्या यह किसी अपराधी की अदालत को डराने की कोशिश है या किसी सिरफिरे की हरकत। पुलिस इन सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं हैं।

'डीपफेक' की समस्या हर दिन बढ़ रही, टूट रहा भरोसा

- आईटी मंत्री बोले-सभी को मिलकर लेनी होगी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डीपफेक को लेकर चिंता जताई है। नई दिल्ली के भारत मण्डपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में डीपफेक के गलत इस्तेमाल पर बात करते हुए उन्होंने कड़े नियमों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भारत के संविधान की मर्यादा और कानूनी दायरे में रहकर काम करना होगा ताकि समाज को संभावित खतरों से सुरक्षित रखा जा सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'डीपफेक' की समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। हमें और कड़े नियमों की जरूरत है। डीपफेक पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए प्लेटफॉर्म, एआई मॉडल डिवेलपर्स और क्रिएटर्स सभी को जिम्मेदारी लेनी होगी। इसके लिए टेक्निकल और लीगल, दोनों तरह का हल चाहिए। डीपफेक पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मिस डीपफेक समाज की नींव पर हमला कर रहे हैं।

- घंटों कतार में खड़े रहे, कुछ के सामान भी चोरी, अश्विनी वैष्णव ने माफी मांगी

एआई समिट में भीड़ और अव्यवस्था से डेलीगेट्स परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे इंडिया इम्पैक्ट समिट 2026 के पहले दिन हुई अव्यवस्थाओं पर केंद्र सरकार ने माफी मांगी है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार 17 फरवरी को कहा कि समिट के पहले दिन उम्मीद से कहीं ज्यादा भीड़ जुटी, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हुई। किसी को परेशानी हुई तो हम उसके लिए माफी मांगते हैं। समिट के पहले दिन सोमवार को हजारों की संख्या में स्टार्टअप

फाउंडर्स, टेक एक्सपर्ट्स और विदेशी डेलीगेट्स पहुंचे थे। भारी भीड़ और कड़ी सुरक्षा के कारण एंट्री पॉइंट्स पर लंबी कतारें लग गई थीं। स्टार्टअप फाउंडर्स, ग्लोबल टेक कंपनियों के प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय डेलीगेट्स को घंटों इंतजार करना पड़ा। **70 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे, भारी भीड़ से बिगड़े हालात-** समिट के दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह दुनिया का सबसे बड़ा एआई समिट है। इवेंट के पहले दिन ही 70 हजार से ज्यादा लोग कार्यक्रम में पहुंचे हैं। अब इंतजाम ठीक हैं, लेकिन अगर कल किसी को परेशानी हुई तो हम उसके लिए माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार सुझावों के लिए तैयार है और अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक वॉर रूम बनाया गया है जो चौबीसों घंटे काम कर रहा है।

फाउंडर का दावा-

सुरक्षा घेरे के बीच चोरी हुए वियरेबल्स- कई एग्जीबिटर्स ने शिकायत की कि प्रधानमंत्री के आने से पहले सुरक्षा जांच के नाम पर उन्हें उनके ही स्टॉल से बाहर कर दिया गया। स्टार्टअप नियो सेपियन के सीईओ धनंजय यादव ने आरोप लगाया कि सुरक्षा जांच के लिए जब उन्हें स्टॉल से बाहर भेजा गया, तब उनके कीमती एआई वियरेबल्स गायब हो गए। रिस्किल के फाउंडर पुनीत जैन और एंटरप्रेन्योर प्रियांशु रत्नाकर ने मैनेजमेंट पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पैची वाई-फाई, मोबाइल नेटवर्क की समस्या और रजिस्ट्रेशन में बार-बार हो रही दिक्कतों ने अनुभव खराब किया।

फाउंडर्स का कहना था कि वीआईपी मूवमेंट की वजह से उन लोगों को घंटों बाहर खड़ा रखा गया जो देश का एआई भविष्य बना रहे हैं। समिट में हुई अव्यवस्ता पर कांग्रेस ने एक पोस्ट किया है। इसमें लिखा- दिल्ली में एआई समिट हो रहा है, लेकिन वहां के हालात बहुत ही भयानक हैं।

हिमंता बोले-गोगोई का केस सबूत समेत केंद्र को भेजा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से जुड़े कथित पाकिस्तान लिंक के मामले की जांच अब केंद्र सरकार करेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस मामले से जुड़े सभी सबूत केंद्र को सौंप दिए हैं और अब केंद्रीय एजेंसी इसकी जांच करेगी। मुख्यमंत्री सरमा ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई और उनकी पत्नी का पाकिस्तान से जुड़े कुछ लोगों से संबंध रहा है

और यह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि गोगोई ने पाकिस्तान की यात्रा की और वहां के कुछ लोगों से संपर्क रखा। असम सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। आरोप लगाया था कि कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी तौकीर शेख के बहुत करीब हैं।

भारत एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलीकॉप्टर बनाएगा

प्रधानमंत्री मोदी बोले-फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया

मैक्रों बोले-भारत पर भरोसा इसलिए टेक्नोलॉजी शेयर करते हैं

मुंबई (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मंगलवार को भारत पहुंचे हैं। इस दौरान मुंबई में उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मिलकर टाटा-एयरबस की हेलीकॉप्टरों असेंबली लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन किया। मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर भारत में ऐसे हेलीकॉप्टर का निर्माण करेंगे, जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भरेगा। मोदी ने फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया और कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' लेवल तक अपग्रेड करने का फैसला किया है। 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का मतलब है कि दोनों देश सिर्फ

व्यापार या हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री इलाकों की सुरक्षा और बड़े वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करेंगे। मैक्रों का यह चौथा भारत दौरा है।

संक्षिप्त समाचार

पटना जू में राजगीर से आईं 2 शेरनियां, मार्च के पहले सप्ताह से ऑनलाइन टिकट बुकिंग भी शुरू होगी

पटना। पटना जू में अगले महीने से 2 शेरनियां दर्शकों को देखने को मिलेंगी। वन्यजीव अदला-बदली कार्यक्रम के तहत 15 फरवरी को राजगीर जू सफारी से 2 शेरनियों को पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान यानी की पटना जू में लाया गया है। इसके अलावा पटना जू से एक शेरनी 'पार्वती' को राजगीर जू सफारी भेजा गया है। इन दोनों को 30 दिनों के क्वारंटाइन में रखा गया है। पटना जू प्रशासन ने कहा कि राजगीर जू सफारी से प्राप्त दोनों शेरनियों को केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के क्वारंटाईन मानकों के तहत 30 दिनों के क्वारंटाईन के बाद ही दर्शकों के लिए डिस्प्ले किया जाएगा। इसके अलावा मार्च के पहले सप्ताह से जू में ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा शुरू हो जाएगी। जू प्रशासन के अनुसार इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हालांकि ऑफलाइन टिकट व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। इसके अलावा जू में जल्द ही गाइड की सुविधा भी शुरू की जाएगी, जिसका लाभ दर्शक निर्धारित शुल्क देकर उठा सकेंगे। ये मादा शेर गुजरात के गिर के जंगल में पाए जाते हैं। वहां से राजगीर लाए गए थे। राजगीर जू सफारी में शेरों की संख्या 11 थी। साल 2024-25 के दौरान 7 शावकों का जन्म हुआ था। वहां का वातावरण प्रजनन के लिए काफी अनुकूल है। अदला-बदली के बाद अब वहां 10 शेर बचे हैं। ब्लड लाइन बदलने और आनुवंशिक विविधता बढ़ाने के लिए राजगीर जू सफारी से दो मादा शेर लाई गईं हैं। सेंट्रल जू अथॉरिटी ऑफ इंडिया की अनुमति मिलने के बाद मिले हैं।

बिहार में बनेगा 400मी. रेस के लिए मॉडर्न एथलेटिक्स एकेडमी

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया करेंगी प्रतिभाओं की पहचान, अंजू बॉबी जॉर्ज होंगी समिति अध्यक्ष

पटना। बिहार में जल्द ही 400 मीटर रेस के लिए अत्याधुनिक एथलेटिक्स एकेडमी बनेगी। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इसपर सहमती जताई है। फेडरेशन की ओर से जल्द ही डिटेल प्रस्ताव बिहार राज्य खेल प्राधिकरण को भेजा जाएगा। पोर्टब्लेयर में आयोजित एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (AFI) की एग्जीक्यूटिव कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में बिहार में खेल के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण फैसले लिए गए।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बैठक में बिहार में एथलेटिक्स के विकास को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। राज्य में एथलेटिक्स प्रतिभाओं की पहचान को व्यवस्थित और वैज्ञानिक आधार देने के उद्देश्य से फेडरेशन ने एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है, जिसकी अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज करेंगी। यह समिति बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के पास उपलब्ध खिलाड़ियों के डेटा का विश्लेषण कर संभावनाशील प्रतिभाओं का चयन करेगी। बिहार की आवश्यकताओं के अनुरूप 'स्टेट स्पेसिफिक कोच डेवलपमेंट प्रोग्राम' संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इससे स्थानीय प्रशिक्षकों की क्षमता में वृद्धि होगी और खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से चिह्नित और चयनित क्षेत्रों में अपने विशेषज्ञों की टीम भेजकर जमीनी स्तर पर प्रतिभा पहचान अभियान चलाने पर सहमति जताई है। यह पहल ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उत्पाद विभाग की टीम से धक्का-मुक्की, अवैध शराब कारोबार की सूचना पर रेड करने पहुंची थी टीम

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर में शराब कारोबारियों ने उत्पाद विभाग की टीम से धक्का-मुक्की कर घायल कर दिया। इस हमले में उत्पाद विभाग के तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल कर्मियों की पहचान चंदन कुमार (28), अमित राज और अनुराग गौतम के रूप में हुई है। चंदन कुमार के पिता का नाम राजेंद्र पासवान है। उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि मधुरापुर में बड़े पैमाने पर शराब का अवैध कारोबार चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर टीम छापेमारी करने पहुंची थी। छापेमारी के दौरान स्थानीय शराब कारोबारियों और महिलाओं ने टीम पर हमला कर दिया। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक भूपेंद्र कुमार ने बताया कि तीन जवान घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि हमलावरों को चिह्नित कर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

वैशाली में गंगा घाट पर मिला अज्ञात युवक का शव, बीस फीट ऊंचे किनारे से पुलिस ने मशक्कत कर निकाला

हाजीपुर। वैशाली के देसरी थाना क्षेत्र के गनियारी गंगा घाट पर सोमवार को मिले शव की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। सोमवार की दोपहर लोगों ने पानी में एक युवक का शव उपलाता हुआ देखा। कुछ ही मिनटों में मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और घटना क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही देसरी थाना के पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने करीब 20 फीट ऊंचे खड़े किनारे के पास फंसे शव को कड़ी मशक्कत के बाद पानी से बाहर निकाला। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। युवक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। उसके शरीर पर ब्लू जींस, काली बेल्ट, सफेद-नीले चेक की शर्ट और पैरों में भूरे-सफेद रंग के जूते थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। स्थानीय लोगों और पुलिस का मानना है कि शव संभवतः कहीं और से बहकर गंगा के किनारे आकर फंस गया होगा। फिलहाल देसरी थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

मोतिहार। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 16–17 फरवरी 2026 को "डीकोलोनाइजिंग नॉलेजः इंडियन नॉलेज सिस्टम्स, इंडोलॉजी एंड इंडिजिनस एपिस्टेमोलॉजीज़ इन ग्लोबल डायलॉग" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अतिथियों को 'बिहार दर्शन' स्मृति-चिह्न और मधुबनी चादर भेंट कर सम्मानित किया गया। समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार चौधरी ने कहा कि ज्ञान को उपनिवेशवादी प्रभाव से मुक्त कर भारतीय दृष्टिकोण से पुनर्व्याख्यायित करना समय की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता प्रो. आर. एन. त्रिपाठी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने के लिए आत्मावलोकन और भारतीय दृष्टि की महत्ता पर बल दिया। विशिष्ट वक्ता डॉ. साकेत बिहारी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान संदर्भ में उपयोगिता पर अपने विचार रखे।

मैट्रिक एग्जामः मोबाइल बैन, गेट फांदकर पहुंचे लड़के-लड़कियां

एजेंसी, पटना

बिहार मैट्रिक वार्षिक परीक्षा आज से शुरू हो हो गई। इसके लिए 1699 सेंटर्स बनाए गए हैं। परीक्षा में कुल 15.12 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। सीवान में मैट्रिक परीक्षा के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। दारौंदा प्रखंड के गोरखनाथ ITI कॉलेज के डायरेक्टर ने परीक्षा केंद्र के अंदर से फेसबुक लाइव कर दिया। सेंटर के अंदर मोबाइल बैन था। SDM अनिता सिन्हा ने बताया, "वीडियो परीक्षा शुरू होने से पहले का है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वीडियो किसी परीक्षार्थी ने नहीं बल्कि ITI के डायरेक्टर ने बनाया है।" उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा मानकों और गोपनीयता नियमों के उल्लंघन का मामला गंभीर है। इसके लिए डायरेक्टर सुनील के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वीडियो सामने आने के बाद जांच के आदेश दिए गए हैं। सेंटर के स्टूडेंट्स और जिम्मेदार लोगों से पूछताछ की जा रही है।

एंट्री नहीं मिलने पर रोते दिखे

वैभव सूर्यवंशी ने नहीं दिया एग्जामः आज से ही CBSE बोर्ड का भी एग्जाम भी शुरू हुआ है। क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी इस बार दसवीं का पेपर नहीं दे रहे हैं। पोद्दार इंटरनेशन स्कूल में उनका सेंटर था। उनके घर वालों ने बताया कि वो टूर्नामेंट की तैयारी में व्यस्त हैं। वैभव के स्कूल के प्रिंसिपल एएनके सिन्हा ने बताया, वैभव आज एग्जाम देने नहीं आए। उनके पास कई ऑप्शन हैं। हो सकता है ऑनलाइन पढ़ाई करें या बाकी परीक्षाओं में आएं। आज की परीक्षा में हमने वैभव को अपसेंट मार्क किया है। हमने वैभव को माइंड में रखते हुए सुरक्षा और बाकी चीजों के लिए पूरे इंतजाम किए थे।

7 शहरों में दीवार फांदकर सेंटर में पहुंचे छात्रः इधर, बिहार बोर्ड के दसवीं के एग्जाम में पटना के मिलर स्कूल में एक छात्रा 10 फीट ऊंची दीवार कूदकर सेंटर के अंदर घुसा, हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर निकाल दिया। लेट होने की वजह से उसे गेट से एंट्री नहीं मिल पाई थी। बक्सर में भी एक छात्रा सेंटर की दीवार फांदकर अंदर पहुंची। बेगूसराय में भी तीन छात्राएं दीवार फांदकर सेंटर के अंदर घुस गईं। पटना के गर्दनीबाग बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी छात्रा गेट पर चढ़कर सेंटर के अंदर जाती दिखी। गोपालगंज के वीएम इंटर कॉलेज सेंटर में भी छात्रा दीवार से अंदर पहुंची। मुंगेर जिले के जमालपुर में एनसी घोष प्लस टू हाई स्कूल में एक छात्र दीवार फांदकर सेंटर में घुसा।

पटना में डिलिवरी बॉय ने किया सुसाइड फैमिली के साथ रेंट पर रहता था

एजेंसी, पटना

पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के दूसरे मस्जिद गली में एक युवक ने सुसाइड कर लिया है। मृतक की पहचान लखीसराय के रहने वाले सतीश के रूप में हुई है। पिछले डेढ़ साल से रेंट के मकान में पूरी फैमिली के साथ रह रहा था। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। मृतक के परिजन भी मौजूद हैं। कमरे की तलाशी के दौरान सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस सुसाइड की वजह के बारे में परिजनों से जानकारी ले रही है।

घटना के वक्त घर में कोई नहीं थाः मौके पर पहुंचे बुद्धा कॉलोनी थाने के ASI मनोज कुमार यादव ने बताया कि दोपहर में पुलिस को सूचना मिली। इसी सूचना के आधार पर पहुंचकर छानबीन की जा रही है। वो अपनी फैमिली के साथ रह रहा था। घटना के वक्त घर पर फैमिली के सदस्य मौजूद नहीं थे। परिजन ने बताया, लगभग 11 बजे सतीश अपने कमरे में गया। उसके बाद बाहर नहीं आया। परिजन जब घर पर आए। कमरे के अंदर गए तो देखा कि सतीश ने फंदे से

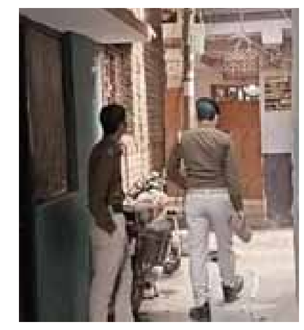

◆ टिफिन सर्विस देता था, फंदे पर लटकी मिली बॉडी

लटक कर सुसाइड कर लिया है। सतीश जी कमरे में सुसाइड किया है,उसका दरवाजा अंदर से बंद नहीं था। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर छानबीन कराई है।

डिलीवरी बॉय का काम करता थाः मृतक आसपास के होटल वगैरह से लिंक कर के डिलीवरी बॉय का काम करता था। लॉज, हॉस्टल में टिफिन सर्विस पहुंचना था। बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मुकेश सहनी के करीबी नीतीश द्विवेदी ने बनाया अपना संगठन

एजेंसी, पटना

मुकेश सहनी के करीबी नीतीश कुमार द्विवेदी ने अपना संगठन बनाया है। उन्होंने 'नौजवानों की आवाज' सामाजिक संगठन की घोषणा की है। आज उन्होंने पहली बैठक आयोजित की जिसकी अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्विवेदी ने की। वह बिहार के 38 जिलों मे 19 महीनों की यात्रा पर निकलेंगे। वह विकासशील इंसान पार्टी के राष्ट्रीय सचिव भी रह चुके हैं। उन्होंने पहले भी VIP से बागी होकर महराजगंज से विधानसभा का चुनाव लड़ा था। अब अपने संगठन के माध्यम से नौजवानों की आवाज बनकर सड़कों पर उतरेंगे। इस दौरान संगठन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को लेकर अहम निर्णय लिए गए। बैठक में संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चार अलग-अलग प्रकोष्ठों का गठन किया गया, ताकि युवाओं से जुड़े मुद्दों पर व्यवस्थित और सशक्त

❐ बिहार के 38 जिलों में 19 महीने की यात्रा पर निकलेंगे, कहा- युवाओं से सीधा संवाद करेंगे

तरीके से काम किया जा सके। राष्ट्रीय नीतीश द्विवेदी ने कहा कि संगठन का मुख्य लक्ष्य प्रदेश के नौजवानों की समस्याओं को सामने लाना तथा उनके समाधान के लिए ठोस पहल करना है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव के दौरान जब मैं यात्रा कर रहा था तो उस वक्त मैं करीब एक लाख लोगों से डायरेक्ट मिला, जहां मुझे युवाओं की जमीनी हकीकत जानने को मिली।

इंटर छात्रा की मौत-पुलिस ने 7वीं मंजिल से फेंकी बॉडी! छात्रा कूदी या गिराई गई सीन री-क्रिएट किया गया

एजेंसी, पटना

पटना में 12 फरवरी को कोचिंग के छत से गिरकर एक छात्रा की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस की जांच जारी है। इसी सिलसिले में पुलिस की टीम मंगलवार (17 फरवरी) को कोचिंग के छत पर पहुंची और घटना का सीन री-क्रिएट किया। इस दौरान पुलिस ने 7वीं मंजिल से 3 डमी बॉडी गिराई। तीनों ही पुतले अलग-अलग एंगल से गिराए गए, ताकि ये पता चल सके कि घटना के दिन लड़की खुद से गिरी या किसी ने धक्का मारकर गिराया। घटना AIIMS गोलंबर के पास की है। सीन री-क्रिएट के दौरान AIIMS के फॉरेंसिक विभाग के प्रभारी डॉक्टर विनय कुमार भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, "हमलोग डमी गिराकर देखते हैं कि कहां-कहां चोटें आ सकती हैं। अनुमान लगाया जा रहा कि घटना के वक्त क्या हुआ होगा।" परिजनों का कहना है कि उनकी बच्ची

की हत्या की गई है। भाई ने आशंका जताते हुए कहा, "बहन की हत्या की गई है। आरोपी को सख्त से सख्त सजा होनी चाहिए।"

परिवार ने हत्या का लगाया था आरोपः पटना के फुलवारीशरीफ में 5 दिन पहले 12वीं की छात्रा की लाश मिली थी। छात्रा सुबह 8 बजे घर से कोचिंग के लिए निकली थी। कोचिंग से थोड़ी दूर पर ही उसकी

❐ भाई बोला– बहन की हत्या हुई

बॉडी पड़ी मिली। कोचिंग छात्रा की उम्र 17 साल है। वो फुलवारीशरीफ की रहने वाली थी। परिवार का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। इसके बाद कोचिंग के चौथे फ्लोर से धक्का दिया गया है। कोचिंग के CCTV में छात्रा दिखाई दे रही है। इसमें वो हड़बड़ी में सीढ़ियों पर जाती दिख रही है। उसके पीछे 2 लड़के भी हैं। थोड़ी देर बाद छात्रा बिल्डिंग से नीचे गिरती दिख रही है। पुलिस ने फिलहाल उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। कोचिंग के CCTV खंगालने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

घर से लगभग 2 किलोमीटर दूर है कोचिंगः पटना के चक मूसा जानीपुर थाना क्षेत्र में छात्रा का घर है, जहां से कोचिंग की दूरी लगभग 2 किलोमीटर है। छात्रा के पिता किसान हैं, जबकि मां हाउस वाइफ है। छात्रा अपने पांच भाई बहनों में सबसे छोटी थी। छात्रा इंटर फर्स्ट ईयर की छात्रा थी और इंजीनियरिंग की तैयारी कर रही थी। रोज की तरह वह अपने घर से कोचिंग के लिए सुबह 8:00 बजे निकली थी। कोचिंग दूसरे बिल्डिंग के दूसरे माले पर है।

कोचिंग के CCTV में क्या मिलाः कोचिंग के CCTV में छात्रा सफेद कपड़ों में सीढ़ियों से ऊपर की ओर जाती दिख रही है। उसके पीछे एक लड़का जाता दिखाई दे रहा है। थोड़ी देर बाद एक और लड़का सीढ़ियों से जाता दिखाई दिख रहा है। CCTV में लड़की छत से गिरती दिख रही है। दोनों लड़के सीढ़ियों से लौटते हुए भी दिख रहे हैं। नीचे आकर लड़के रुकते है और लड़की की लाश को देखते हैं और फिर दौड़कर भाग जाते हैं। पुलिस ने CCTV फुटेज को जब्त किया है।

बिहार में निगरानी की ताबड़तोड़ कार्रवाई, तीन मामलों में पांच आरोपी गिरफ्तार

राकेश कुमार

पटना। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए विशेष निगरानी इकाई (SVU) और निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीमों ने मुजफ्फरपुर, किशनगंज और औरंगाबाद में अलग-अलग कार्रवाई कर पांच लोगों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई में प्रभारी जिला कृषि पदाधिकारी हिमांशु कुमार और उनके दलाल-सह-प्राइवेट चालक रामबाबू राय को 50,000 रुपये रिश्वत लेते हुए मुजफ्फरपुर में गिरफ्तार किया गया। विशेष निगरानी इकाई के अपर पुलिस महानिदेशक पंकज कुमार दाराद ने बताया कि सखौरा गांव के शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि बंदरा प्रखंड के खाद दुकानदारों से प्रति सीजन कुल 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी और लाइसेंस निरस्त करने की धमकी दी जा रही थी। सत्यापन के बाद थाना कांड संख्या-06/2026 (दिनांक 16.02.2026) धारा-7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरी कार्रवाई में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने किशनगंज स्थित जिला खनन कार्यालय के लिपिक अशोक कुमार चौधरी को 8,000 रुपये तथा परिचारी सरोज कुमार सिंह को 7,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता हबीब आलम ने आरोप लगाया था कि जब्त ट्रैक्टर का रिलीज ऑर्डर जारी करने के बदले रिश्वत मांगी जा रही थी। सत्यापन के बाद पुलिस उपाधीक्षक आसिफ इकबाल मेहदी के नेतृत्व में छापेमारी कर दोनों को पकड़ लिया गया। तीसरी कार्रवाई में विशेष निगरानी इकाई ने औरंगाबाद जिले के हसपुरा अंचल कार्यालय में तैनात निम्नवर्गीय लिपिक श्लोक कुमार को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता मुनील कुमार ने जमीन के म्यूटेशन के लिए रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी। सत्यापन में आरोप सही पाए जाने के बाद थाना कांड संख्या-05/2026 (दिनांक 16.02.2026) धारा-7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) तथा धारा-61(2)(a) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार झा के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। निगरानी विभाग के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ जारी है और उन्हें विशेष न्यायालय (निगरानी), भागलपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। सभी मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई और अनुसंधान जारी है।

पटना के बोरिंग रोड में 7 राउंड फायरिंग

कार से आए थे बदमाश, एक को गोली लगने की सूचना मौके से 7 खोखे बरामद

एजेंसी, पटना

पटना के बोरिंग रोड में सोमवार की रात फायरिंग हुई थी। बदमाशों ने करीब 7 राउंड गोलियां चलाईं। घटनास्थल से 7.65 MM का कारतूस, 7 खोखे पुलिस ने बरामद किए हैं। बुद्धा कॉलोनी के थानेदार पल्लव ने बताया कि पुलिस ने अपने बयान पर 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस रजिस्टर्ड किया है। सभी आरोपी सफेद कलर की कार से थे। घटना को अंजाम देने के बाद चौराहा होते हुए फरार हो गए।

सूचना मिली है कि एक शख्स को गोली लगी है, लेकिन वो कौन है, ये अभी नहीं नहीं। फिलहाल छानबीन की जा रही है। घटना बुद्धा कॉलोनी थाना के गौतम होटल के पास की है।

गोलियों की आवाज सुनकर दुकानदार भागेः घटना के वक्त आसपास कुछ दुकानें ही खुली थी, लेकिन जैसे ही उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी, सभी अपनी-अपनी दुकानें बंद कर भागने लगे। वहीं, दूसरी तरफ सड़क से गुजरने वाले लोग भी हैरान हो गए। गोलीबारी क्यों हुई, किसने की इस बारे में पता लगाने में पुलिस की टीम जुटी है।

बिहार में बनेगा मेगा एआई सेंटर-आईआईटी पटना, रिसर्च पार्क

एजेंसी, पटना

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े AI Expo में बिहार ने तकनीकी क्षेत्र में अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं और निवेश प्रस्तावों के साथ उपस्थिति दर्ज कराई। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य की AI-आधारित विकास रणनीति को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए बिहार को उभरते टेक हब के रूप में विकसित करने का रोडमैप साझा किया। AI Expo के दौरान बिहार पवेलियन निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर बिहार सरकार द्वारा कुल 468 करोड़ रुपये की परियोजनाओं और निवेश से संबंधित समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए।

60 करोड़ से मेगा AI सेंटर ऑफ एक्सीलेंसः बिहार सरकार ने Bihar AI Mission के अंतर्गत 60 करोड़ रुपए की लागत से Mega AI Centre of Excellence की स्थापना की घोषणा की। यह केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और उभरती तकनीकों पर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र होगा। इसका उद्देश्य राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, स्थानीय युवाओं को अत्याधुनिक तकनीक में दक्ष बनाना और उद्योगों के साथ व्यावहारिक शोध को प्रोत्साहित करना है। साथ ही, AI Centre of Excellence के विकास के लिए अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच इंडस्ट्री-एकेडमिक पार्टनरशिप के समझौते भी किए गए, जिससे

तकनीक और बाजार की आवश्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो सके।

IIT पटना में 250 करोड़ का अत्याधुनिक रिसर्च पार्कः IIT Patna में 250 करोड़ रुपए की लागत से Research Park स्थापित करने की घोषणा की गई। यह रिसर्च पार्क उद्योगों और शोधकर्ताओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहां नवाचार, प्रोटोटाइप विकास और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को गति मिलेगी। इस पहल से बिहार में उच्च स्तरीय तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ सहयोग की संभावनाएं मजबूत होंगी।

विकसित भारत की लक्ष्य में बिहार की भूमिका होगी निर्णायकः उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में बिहार की भूमिका निर्णायक होगी। राज्य सरकार उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए लगातार नई नीतियां बना रही है। बिहार में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ रही है और हम तकनीक आधारित विकास मॉडल को अपनाकर रोजगार और आर्थिक अवसरों का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि AI, साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बिहार आने वाले वर्षों में नई पहचान बनाएगा।

158 करोड़ के निवेश MoUs: AI, Cybersecurity और Digital Services के क्षेत्र में प्रमुख निवेशकों के साथ 158 करोड़ रुपए के अतिरिक्त MoUs पर हस्ताक्षर किए गए। इन निवेशों से राज्य में डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा समाधान, क्लाउड सेवाएं और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को नई गति मिलेगी। AI Expo के दौरान बिहार सरकार ने Bihar GCC Policy 2026 और Bihar Semiconductor Policy 2026 का औपचारिक अनावरण किया। बिहार में Global Capability Centers (GCCs) की स्थापना को प्रोत्साहन, सेमीकंडक्टर एवं चिप डिजाइन से जुड़े उद्योगों को आकर्षित करना है। डेटा, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सर्विस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देना है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि इन नीतियों के माध्यम से निवेशकों को विशेष प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचा समर्थन और कौशल विकास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट संघ की नई कमेटी निर्वाचित

बीएनएम @ मोतिहारी। ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट संघ (ईसीडीसीए) की नई कमेटी के लिए चुनाव स्थानीय आईएमए हॉल में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। चुनाव अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. प्रणव प्रियदर्शी ने बताया कि चुनाव से संबंधित सभी कार्यक्रम पूर्वी चंपारण जिला क्रिकेट संघ की वेबसाइट पर पहले से उपलब्ध कराए गए थे। सभी पदों के लिए एक-एक नामांकन पत्र प्राप्त हुआ, जिसे स्क्रूटनी के दौरान सही पाया गया। 15 फरवरी को शाम 5 बजे सभी उम्मीदवारों के नामांकन को वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया गया था। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद नई कमेटी के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इसमें अध्यक्ष पद पर अभिषेक कुमार, उपाध्यक्ष पद पर आफरीन मुमताज, सचिव पद पर दिवाकर कुमार सिंह, संयुक्त सचिव पद पर कुमारी मोनिका, कोषाध्यक्ष पद पर मो. अरमान तथा जिला संघों के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में अवधेश कुमार को निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर ईसीडीसीए के पूर्व अध्यक्ष राजेश कुमार, तथा पूर्व कोषाध्यक्ष मनोज कन्नौजिया सहित कई लोगों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। नव निर्वाचित सचिव दिवाकर कुमार सिंह ने बताया कि जल्द ही जिला क्रिकेट लीग मैच शुरू कराने की तैयारी की जा रही है और इसका कार्यक्रम शीघ्र जारी किया जाएगा।

दोहरे हत्याकांड में आरोपी को उम्रकैद, एक लाख रुपये जुर्माना

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड मामले में अदालत ने कड़ा फैसला सुनाते हुए अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय के एडीजे-21 रमेश रंजन ने मेहसी थाना कांड संख्या-108/24 (STR-368/25) की सुनवाई पूरी करते हुए अभियुक्त पवन साह (निवासी मिठनपुरा, थाना मेहसी) को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) एवं 3(5) के तहत कठोर आजीवन कारावास तथा 1,00,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर अभियुक्त को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। फैसला मंगलवार को सुनाया गया। मामले की वादी मीना देवी (पत्नी मनोज साह, निवासी मिठनपुरा, थाना मेहसी) थीं। कांड का अनुसंधान पुलिस निरीक्षक रणधीर कुमार भट्ट ने किया, जिन्होंने न्यायालय में ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए। वहीं अपर लोक अभियोजक मो. मोइनुल हक ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी बहस की। मोतिहारी पुलिस द्वारा समय पर समर्पित चार्जशीट और मजबूत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने यह निर्णय सुनाया। फैसले के बाद क्षेत्र में न्याय मिलने की भावना देखी गई और मामले को कानून के सख्त क्रियान्वयन के उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।

एस.एस.बी. एवं पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में प्रतिबंधित मदिरा के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। एस.एस.बी. के अठमोहान समवाय को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नेपाल से भारत में नेपाली शराब लेकर बॉर्डर लाइन के समीप से सीमा पार करने वाला है। प्राप्त सूचना को तत्काल झरोखर पुलिस स्टेशन को साझा किया गया। सूचना के आधार पर एस.एस.बी. अठमोहान समवाय एवं झरोखर पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों द्वारा संयुक्त विशेष गश्ती अभियान चलाया गया। लगभग 14:30 बजे, अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या _ के पास (सीमा से लगभग 200 मीटर अंदर) एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल पर नेपाल से भारत की ओर आता हुआ दिखाई दिया। संयुक्त टीम द्वारा संदिग्ध को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बाइक की सीट एवं डिक्की के नीचे से तथा आरोपी की कमर में लिपटी हुई कुल 40 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब (प्रत्येक 300 मिलीलीटर) बरामद की गई। बरामद प्रतिबंधित मदिरा एवं गिरफ्तार तस्कर को अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु झरोखर पुलिस स्टेशन को सुपुर्द कर दिया गया है। एस.एस.बी. एवं स्थानीय पुलिस द्वारा सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सतत निगरानी एवं संयुक्त अभियान जारी है।

मोतिहारी में "मोटिवेशन मॉडल" की सफलता: एसपी स्वर्ण प्रभात की पहल से बढ़ा मनोबल

सागर सूरज

मोतिहारी। मोतिहारी में पुलिसिंग का नया "मोटिवेशन मॉडल" असर दिखा रहा है। एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में जिला पुलिस ने अच्छा प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने की परंपरा को संस्थागत रूप दे दिया है। नियमित रूप से आयोजित सम्मान समारोहों में उत्कृष्ट अनुसंधान, त्वरित कार्रवाई और सफल अभियोजन से जुड़े अधिकारियों को सराहा जा रहा है, जिससे बल का मनोबल स्पष्ट रूप से ऊंचा हुआ है।

पुलिस मुख्यालय में हालिया कार्यक्रम में अभियोजन से जुड़े अधिकारियों और सरकारी वकीलों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। त्वरित विचारण और अधिक सजा दर सुनिश्चित करने में भूमिका निभाने वाले अधिवक्ताओं की तस्वीरें और उपलब्धियां मीडिया के माध्यम से साझा की जा रही हैं, ताकि सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा मिले। इससे पुलिस और अभियोजन के बीच समन्वय मजबूत हुआ है और केस डिस्पोजल की रफ्तार बढ़ी है।

इस पहल का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि बड़े ऑपरेशन और महत्वपूर्ण अनुसंधान में शामिल पूरी टीम को सामूहिक रूप से सम्मानित किया जा रहा है। टीम-आधारित सराहना से फील्ड स्तर पर प्रतिस्पर्धी और जिम्मेदार कार्य वातावरण बना है।

साथ ही, प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि उत्कृष्ट कार्य को पुरस्कृत किया जाएगा और लापरवाही या गलत आचरण पर सख्त कार्रवाई होगी। कुछ मामलों में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई भी की गई है, जिससे जवाबदेही की संस्कृति मजबूत हुई है।

स्थानीय स्तर पर इस "मोरल बूस्टिंग" रणनीति को अपराध नियंत्रण और अभियोजन दक्षता में सुधार का कारगर उपाय माना जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नियमित समीक्षा, समयबद्ध जांच और अभियोजन के साथ तालमेल—इन तीन स्तंभों पर आधारित यह मॉडल आगे भी जारी रहेगा।

सूखा नशा के खिलाफ पुलिस की छापेमारी, गांजा के साथ एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी/चिरैया

'सूखा नशा' के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के माघोपुर गांव में एक दुकान पर छापेमारी कर एक व्यक्ति को नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई चिरैया थानाध्यक्ष महेश कुमार के नेतृत्व में की गई। टीम में अपर थानाध्यक्ष खगेश नाथ झा, सब-इंस्पेक्टर गौतम कुमार सहित थाना के कई पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले में सूखा नशा के विरुद्ध लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, चिरैया थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि माघोपुर गांव की एक दुकान में अवैध रूप से गांजा और स्मैक बेचा जा रहा है। सूचना के आधार पर सिकरहना डीएसपी उदय शंकर के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। इस दौरान संदिग्ध दुकान से गांजा, नशा करने वाला सिरप, नशीली गोलियां, चिलम तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। पुलिस ने मौके से शमीम अहमद नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हरसिद्धि में खुले में मांस-मछली की बिक्री से बढ़ी चिंता, बीमारियों का खतरा

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

हरसिद्धि में इन दिनों खुले में मांस और मछली की बिक्री लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। थाना परिसर से महज़ लगभग 100 गज की दूरी पर प्रतिदिन सुबह बीच सड़क पर मछली बाजार लग रहा है। इस दौरान स्वच्छता और यातायात दोनों ही व्यवस्थाओं की अनदेखी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे और खुले स्थान पर मछली तथा मांस काटने से आसपास गंदगी फैल रही है। बचा हुआ कचरा और पानी सड़क पर ही फेंक दिया जाता है, जिससे दुर्गंध फैलती है और मक्खियों का प्रकोप बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि इस तरह की स्थिति संक्रामक बीमारियों को निमंत्रण दे सकती है, खासकर गर्मी और उमस के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी खतरा और बढ़ जाता है। बाजार लगने के कारण सड़क पर जाम जैसी स्थिति भी बन जाती है। सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों, कामकाजी लोगों और राहगीरों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। कई बार दोपहिया और चारपहिया वाहनों को निकलने में काफी समय लग जाता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस समस्या पर शीघ्र ध्यान देने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मांस-मछली की बिक्री के लिए निर्धारित और स्वच्छ स्थान तय किया जाना चाहिए, ताकि बाजार भी चलता रहे और सार्वजनिक स्वास्थ्य व यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो। प्रशासनिक स्तर पर यदि समय रहते कार्रवाई की जाती है, तो स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ संभावित बीमारियों के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

मैट्रिक परीक्षा के पहले दिन प्रशासनिक सतर्कता, अधिकारियों ने केंद्रों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की मैट्रिक परीक्षा के पहले दिन जिले के विभिन्न अनुमंडलों में प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रियता देखने को मिली। परीक्षा को कदाचार-मुक्त और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए अधिकारियों ने कई परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने अलग-अलग परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा संचालन की समीक्षा की। उन्होंने परीक्षा हॉल में जाकर वीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए और केंद्र अधीक्षकों से बातचीत कर तैयारियों की जानकारी ली। इसी क्रम में रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने भी

परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षा संचालन का जायजा लिया। वहीं पकड़ीदयाल अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से केंद्रों का निरीक्षण किया। ढाका (सिकरहना) अनुमंडल पदाधिकारी ने भी परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर स्थिति का आकलन किया। जिला स्तर पर सौरभ जोरवाल और स्वर्ण प्रभात ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। प्रशासन के अनुसार सभी केंद्रों पर परीक्षा स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संचालित हो रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परीक्षा अवधि के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी लगातार जारी रहेगी, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और परीक्षा की गोपनीयता एवं शुचिता पूरी तरह बनी रहे।

सड़क किनारे बीमार बुज़ुर्ग की मदद को आगे आए साइबर डीएसपी

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर थाना क्षेत्र के बलुआ के पास सड़क किनारे तड़प रहे एक बुजुर्ग के लिए साइबर डीएसपी अभिनव पराशर देवदूत बनकर सामने आए। बताया जाता है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति सड़क किनारे बीमार हालत में पड़े थे और इलाज के लिए तड़प रहे थे। मौके पर मौजूद कई लोग उनकी मदद करने के बजाय घटना का वीडियो बनाने में लगे थे। इसी बीच एक युवक ने मानवता दिखाते हुए राहगीरों से मदद की अपील की और कई वाहनों को रोककर बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन कोई वाहन नहीं रुका। इसी दौरान युवक की नजर वहां से गुजर रहे साइबर डीएसपी की गाड़ी पर पड़ी। उसने गाड़ी रुकवाकर स्थिति की जानकारी दी। डीएसपी अभिनव पराशर तुरंत वाहन से उतरे और बिना देर किए बीमार व्यक्ति को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया। इसके बाद उन्होंने बुजुर्ग के परिजनों को सूचना दी। इलाज के बाद उनकी स्थिति अब बेहतर बताई जा रही है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने डीएसपी के इस मानवीय कदम की सराहना की है।

बागमती तटबंध के विरोध में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू, निर्माण कार्य रोका

बीएनएम @ गायघाट, मुज़्ज़फरपुर

बागमती नदी पर प्रस्तावित तटबंध निर्माण के विरोध में सोमवार को बेनीबाद थाना क्षेत्र के केवटसा चौक पर "चास-वास जीवन बचाओ बागमती संघर्ष मोर्चा" ने अनिश्चितकालीन सामूहिक अनशन शुरू कर दिया। आंदोलनकारियों ने कटरा प्रखंड की बर्री पंचायत में चल रहे बांध निर्माण कार्य को भी रोक दिया। मोर्चा के संयोजक जितेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि गायघाट क्षेत्र में तटबंध बनने से सैकड़ों परिवार बेघर हो जाएंगे और कई गांवों का अस्तित्व समाप्त हो सकता है। उन्होंने मांग की कि वर्ष 2017 में गठित रिव्यू कमेटी की रिपोर्ट आने तक निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि कमेटी का गठन तो हुआ, लेकिन सरकार ने न तो पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए और न ही स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। आंदोलनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोगों के दबाव में बार-बार बांध

निर्माण शुरू किया जाता है और विरोध करने वालों पर प्रशासन की ओर से गलत मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। अनशन पर राजकुमार मंडल, सीताराम यादव और रामलोचन सिंह बैठे हैं। मौके पर राजद युवा नेता राहुल कुमार, बाढ़ मुक्ति अभियान के उमेश राय, वैद्यनाथ मिश्र, रंजीत सिंह, पप्पू सिंह, मुनाजिर हसन, राम सज्जन राय, नंदकिशोर ठाकुर, सुनील यादव, राधा देवी सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे। मोर्चा की प्रमुख मांगों में रिव्यू कमेटी में संगठन के प्रतिनिधियों को शामिल करना, अब तक बने तटबंधों से विस्थापित लोगों के पुनर्वास की गारंटी, अधिग्रहीत जमीन का उचित मुआवजा, प्रभावी बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था तथा बागमती नदी पर पर्याप्त संख्या में पुलों का निर्माण शामिल है।

44 आजमीन-ए-हज की मेडिकल स्क्रीनिंग, 18 अप्रैल से मक्का के लिए रवाना होंगे यात्री

बीएनएम @ मोतिहारी

हज कमेटी ऑफ इंडिया और बिहार राज्य हज समिति के निर्देश पर मंगलवार को सदर अस्पताल स्थित उपाधीक्षक कार्यालय में मेडिकल स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 44 आजमीन-ए-हज की स्वास्थ्य जांच की गई। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. एस. एन. सत्यार्थी के नेतृत्व में चिकित्सकों की तीन सदस्यीय टीम ने स्क्रीनिंग की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान ब्लड जांच रिपोर्ट, ईसीजी, एक्स-रे और मेडिकल हिस्ट्री की समीक्षा कर आजमीन-ए-हज के लिए हेल्थ कार्ड तैयार किए गए। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा सभी यात्रियों के लिए हेल्थ कार्ड जारी करने का निर्देश दिया गया है, ताकि मेडिकल बोर्ड द्वारा पूरी स्वास्थ्य जानकारी दर्ज की जा सके। मेडिकल टीम में डॉ. असद कमाल, डॉ. शफी इमाम और डॉ. मोहम्मद अतहर शामिल थे। वहीं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक निदेशक मोहम्मद साजिद, अंजुमन इस्लामिया के सदर डॉ. तबरेज

अजीज, डॉ. परवेज अजीज, ओजैर अंजुम और फिरोज आलम ने शिविर में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यात्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बताया गया कि इस वर्ष 18 अप्रैल से आजमीन-ए-हज की उड़ानें शुरू होंगी और यात्री मक्का के लिए रवाना होंगे। पूरे भारत से लगभग दो लाख पचहत्तर हजार, बिहार से करीब साढ़े 27 सौ और पूर्वी चंपारण जिले से 117 आजमीन हज यात्रा पर जाएंगे। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग के साथ-साथ लोकेशन ट्रैकिंग हेतु स्मार्ट वॉच उपलब्ध कराने की भी योजना बनाई गई है। शिविर के सफल आयोजन में राज्य हज निरीक्षक डॉ. अकील अहमद, कार्यालय सहायक रागिब हुसैन और अंजुमन इस्लामिया के कर्मी मोहम्मद नुरैन ने सहयोग किया।

तुरकौलिया थाना परिसर में जनता दरबार, एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना परिसर में मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में आए अधिकांश मामले जमीनी विवाद से संबंधित थे।

महिला ने लगाया पक्षपात का आरोप-जनता दरबार में जयसिंहपुर चिलराव की घुनी देवी ने पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि विपक्षी धीरन यादव द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराने के 24 घंटे के भीतर उनके बेटे को जेल भेज दिया गया, जबकि उनके द्वारा दर्ज कराए गए मामले में धीरन यादव पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला ने आरोप लगाया कि धीरन यादव भूमाफिया और शराब कारोबार से जुड़ा है तथा पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है।

एसआई निलंबित, वेतन पर रोक-मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने केस के अनुसंधानकर्ता एसआई सुबोध कुमार को निलंबित कर दिया। वहीं एक जमीनी विवाद में मारपीट के मामले में दो माह से लंबित जांच को लेकर मुफस्सिल सर्किल इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिन्हा के वेतन पर रोक लगा दी गई। जमीनी विवाद में संलिप्तता पाए जाने पर चौकीदार कमलेश कुमार के वेतन पर भी रोक लगाने का निर्देश दिया गया।

एफआईआर और गिरफ्तारी के निर्देश-एसपी ने नरियरवा के कथित भूमाफिया बागड़ महतो पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। इसके अलावा अशरफीसाह टोला के उपेंद्र कुमार को तीन दिन के भीतर गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया।

जमीनी विवाद के मामलों पर विशेष ध्यान-एसपी ने कहा कि कई मामलों में अनुसंधान में देरी सामने आई है। उन्होंने डीएसपी सदर को जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकांश जमीनी विवाद से जुड़े आवेदनों को शनिवार को आयोजित होने वाले सीओ और थानाध्यक्ष के जनता दरबार में भेज दिया गया, ताकि उनका शीघ्र समाधान किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर में पुलिस-अपराधी मुठभेड़, एएसआई और एटीएम फ्रॉड आरोपी घायल

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। बेला थाना क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस और कुख्यात एटीएम फ्रॉड आरोपी पप्पू सहनी के बीच मुठभेड़ हो गई। गोलीबारी में बेला थाने में तैनात एएसआई विकास कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, पुलिस को अपराधियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद कार्रवाई की गई। इसी दौरान अपराधियों की ओर से चलाई गई गोली एएसआई विकास कुमार के पेट में लग गई। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें पप्पू सहनी भी घायल हो गया। घायल एएसआई को तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए हैं। पुलिस ने घायल आरोपी को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज। 'सूखा नशा' के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष समकालीन अभियान के तहत अरेराज पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के जनेरवा गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान साजन कुमार (पिता–भोला पासवान) की दुकान की विधिवत तलाशी ली गई, जिसमें प्रतिबंधित नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस ने दुकान से गांजा जैसी मादक सामग्री की कुल 16 पुरिया (लगभग 35 ग्राम) तथा 6 पीस "गोगो" बरामद किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी साजन कुमार को हिरासत में ले लिया और उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अवैध नशा कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और युवाओं को नशे से बचाने के लिए पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहने की बात कही गई है।

सूखा नशा के खिलाफ रघुनाथपुर पुलिस का अभियान, कई दुकानों में छापेमारी

बीएनएम @ तुरकौलिया। सूखा नशा के विरुद्ध रघुनाथपुर पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए चौक-चौराहों पर स्थित कई दुकानों में छापेमारी की। इस कार्रवाई से नशा बेचने और खरीदने वालों में हड़कंप मच गया। कई दुकानें अभियान के दौरान बंद भी पाई गईं। थानाध्यक्ष अलका कुमारी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के तहत किताब दुकानों, पान दुकानों तथा अन्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में नशे में उपयोग होने वाली सामग्री बरामद की। थानाध्यक्ष ने बताया कि छापेमारी में 189 पीस व्हाइटनर, लगभग 4 पीस चिलम तथा 42 पीस 'गोगो' जब्त किए गए हैं। हालांकि गांजा या अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद नहीं हो सका। छापेमारी टीम में अपर थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में सूखा नशा के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मैत्रीपुल के पास नो मेंस लैंड से हटाया गया अतिक्रमण

बीएनएम @ रक्सौल। देश की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील क्षेत्र में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नो मेंस लैंड में बने अस्थायी अतिक्रमण को हटाया। मंगलवार, 17 फरवरी 2026 को अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद के संयुक्त नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में अंचलाधिकारी रक्सौल, हरैया थाना प्रभारी तथा सशस्त्र सीमा बल (SSB) के जवान भी शामिल रहे। संयुक्त टीम ने मैत्री पुल के पास प्रेमनगर स्थित नो मेंस लैंड क्षेत्र में बनाए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यह स्थान अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़ा होने के कारण अत्यंत संवेदनशील है और यहां अतिक्रमण हटाना राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से जरूरी था। बताया गया कि इस मामले की लगातार गृह विभाग द्वारा समीक्षा की जा रही थी। अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई और शांतिपूर्ण ढंग से अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूरी की गई।

शराबबंदी कानून के तीन मामलों में तीन गिरफ्तार, 30 लीटर शराब बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि

शराबबंदी कानून के उल्लंघन के मामलों में हरसिद्धि थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान देशी चुलाई शराब भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार हरसिद्धि थाना कांड संख्या 786/25 (29 नवंबर 2025), 49/25 (25 जनवरी 2025) और 102/26 (16 फरवरी 2026) में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम 2022 की धारा 30(ए) के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में कृतपुर निवासी वैधनाथ राम (55 वर्ष), दामोवृति निवासी गोलू कुमार (18 वर्ष) तथा तेज कुमार उर्फ तेज बहादुर (19 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने एक मामले में करीब 30 लीटर देशी चुलाई शराब जब्त की है। अन्य नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नेपाली मानव तस्कर के चंगुल से नाबालिग लड़की रेस्क्यू

बीएनएम @ रक्सौल

मानव तस्करी रोधी इकाई 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, प्रयास जुबेनाइल एड सेंटर तथा स्वच्छ रक्सौल एनजीओ की संयुक्त कार्रवाई में एक नेपाली मानव तस्कर के चंगुल से भारतीय नाबालिग लड़की को सुरक्षित बरामद किया गया। संयुक्त टीम ने मैत्री ब्रिज के समीप भारत से नेपाल जा रहे एक व्यक्ति को एक नाबालिग लड़की के साथ संदिग्ध परिस्थिति में रोका। प्रारंभिक पूछताछ में मामला मानव तस्करी से जुड़ा प्रतीत हुआ, जिसके बाद दोनों को अलग-अलग रखकर मानव तस्करी रोधी इकाई और एनजीओ की टीम द्वारा काउंसलिंग की गई। पूछताछ में पता चला कि पीड़िता (परिवर्तित नाम) रानी कुमारी, उम्र 13 वर्ष, जिला वैशाली की निवासी है, जबकि आरोपी जिला परसा, नेपाल का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि पीड़िता अपने परिवार के साथ हैदराबाद में रहती थी, जहां वह आरोपी के संपर्क में आई। आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसाकर नेपाल में शादी का झांसा दिया और काठमांडू ले जाने की योजना बनाई थी। परिजनों से संपर्क करने पर पुष्टि हुई कि वैशाली के स्थानीय थाने में अपहरण/गुमशुदगी के संबंध में कांड संख्या 64/26, दिनांक 16 फरवरी 2026 को दर्ज किया गया है। मानव तस्करी रोधी इकाई की सतर्कता से संभावित तस्करी की साजिश विफल कर दी गई। आरोपी और पीड़िता को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरैया थाना को सौंप दिया गया। रेस्क्यू अभियान में प्रभारी निरीक्षक विकास कुमार, हवलदार अरविंद द्विवेदी सहित महिला सिपाही एवं संबंधित एनजीओ के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

लंबित कांडों के निष्पादन में उत्कृष्ट कार्य पर चार पुलिस पदाधिकारी सम्मानित

बीएनएम @ बेतिया

पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा जिले में लंबित कांडों की समीक्षा के क्रम में जनवरी 2026 माह के प्रतिवेदित एवं निष्पादित कांडों की तुलनात्मक समीक्षा की गई। समीक्षा में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के आधार पर चार पुलिस पदाधिकारियों को चिन्हित करते हुए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए पदाधिकारियों में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 बेतिया विवेक दीप, अंचल पुलिस निरीक्षक योगापट्टी धनंजय कुमार, थानाध्यक्ष मुफस्सिल थाना पुलिस निरीक्षक सम्राट सिंह तथा मझौलिया थाना के पुलिस अवर निरीक्षक सोनू कुमार शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ शौर्य सुमन ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चारों पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया तथा लंबित कांडों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि कांडों के समयबद्ध अनुसंधान और निष्पादन से न्यायिक प्रक्रिया को गति मिलती है तथा आमजन का पुलिस पर विश्वास सुदृढ़ होता है।

पहाड़पुर सरेया वृत्ति टोला से गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ पहाड़पुर

जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में मोतिहारी पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पुलिस ने पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सरेया वृत्ति टोला गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर गांजा बरामद किया है। इस दौरान मौके से एक शातिर तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी के नेतृत्व में हुई छापेमारी इस विशेष टीम का नेतृत्व अरेराज डीएसपी रवि कुमार कर रहे थे। टीम में पहाड़पुर थाना अध्यक्ष अजय कुमार, अपर थानाध्यक्ष अमन कुमार समेत सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि सरेया वृत्ति टोला मे त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी की गई। तस्करों के नेटवर्क में खलबली पुलिस की इस बैक-टू-बैक कार्रवाई से इलाके के नशा तस्करों और भू-माफियाओं के बीच हड़कंप मचा हुआ है। डीएसपी रवि कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से सघन पूछताछ की जा रही है ताकि इस धंधे से जुड़े अन्य मुख्य सरगनाओं और तस्करी के रूट का पर्दाफाश किया जा सके।

वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026: पहले दिन डीएम-एसएसपी का औचक निरीक्षण, कदाचार पर जीरो टॉलरेंस

» 82 केंद्रों पर सख्त सुरक्षा, 200 गज तक निषेधाज्ञा लागू

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 के प्रथम दिन प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने महिला शिल्प कला महाविद्यालय सहित कई केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था, सघन तलाशी और प्रवेश प्रक्रिया का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने केंद्राधीक्षकों को परीक्षा संचालन नियमावली का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। प्रवेश द्वार पर स्टैटिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में सघन फ्रिस्किंग, इलेक्ट्रॉनिक एवं अन्य आपत्तिजनक सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध तथा प्रत्येक परीक्षार्थी की कड़ी जांच के निर्देश दिए गए। जिले में 17 से 25 फरवरी तक आयोजित परीक्षा के लिए कुल 82 केंद्र बनाए गए हैं। विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु अनुमंडल पदाधिकारियों द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत सभी केंद्रों के 200 गज की परिधि में निषेधाज्ञा लागू की गई है। इस दौरान पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग तथा हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। परीक्षार्थियों के लिए समय से 30 मिनट पूर्व प्रवेश अनिवार्य किया गया है। जूता-मोजा पहनकर आने पर रोक है। मोबाइल, ब्लूटूथ, स्मार्ट वॉच, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों और नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि परीक्षा स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाएगी तथा किसी भी अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वर्दी में योद्धा, हृदय में सेवक: नौसेना के जांबाज अभिनय दुबे ने पेश की राष्ट्रभक्ति और जनसेवा की अद्भुत मिसाल

बीएनएम @ अरेराज @ उज्जवल मिश्रा

गोविंदगंज थाना अंतर्गत सरेयाँ गाँव की मिट्टी ने एक ऐसे रत्न को जन्म दिया है, जिसने अपनी कर्तव्यनिष्ठा से समंदर की लहरों पर तिरंगे का मान बढ़ाया है। भारतीय नौसेना की गौरवशाली परंपरा को अपने कंधों पर ढोने वाले नन्दकिशोर दुबे के सुपुत्र अभिनय कुमार दुबे आज उस व्यक्तित्व के रूप में उभरे हैं, जो देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ समाज की रगों में सेवा का संचार कर रहे हैं। अभिनय ने अपनी कड़ी मेहनत और अटूट राष्ट्रप्रेम के बल पर न केवल भारतीय नौसेना में सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया, बल्कि आज वे एशिया के सर्वश्रेष्ठ और विश्व के सबसे विशाल जंगपोत आई.एन.एस विक्रमादित्य (INS Vikramaditya) पर तैनात होकर देश की सुरक्षा के अभेद्य कवच का हिस्सा बने हुए हैं। अभिनय कुमार दुबे उर्फ सोनू दुबे का जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि वर्दी केवल एक पोशाक नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वों का वह शिखर है जिसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण से निभा रहे हैं। नौसेना के कठिन प्रशिक्षण और चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के बीच भी उनके मन में अपने समाज और ग्रामीण परिवेश के प्रति जो गहरा लगाव है, वह उन्हें एक सामान्य सैनिक से ऊपर उठाकर एक जन-नायक की श्रेणी में खड़ा करता है। पिता से मिले उच्च संस्कारों और मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम ने उन्हें एक ऐसा मार्ग दिखाया है जहाँ देशसेवा और जनसेवा एक-दूसरे के पूरक बन गए हैं। वे ड्यूटी पर रहते हुए जितने सख्त और अनुशासित नजर आते हैं, अपने क्षेत्र के लोगों के बीच उतने ही सरल और सहयोगी सिद्ध होते हैं। आज पूर्वी चंपारण और विशेषकर गोविंदगंज क्षेत्र के युवाओं के लिए अभिनय एक सशक्त पथ-प्रदर्शक बन चुके हैं। उनकी उपलब्धियां यह स्पष्ट संदेश देती हैं कि यदि इरादे फौलादी हों और लक्ष्य के प्रति ईमानदारी हो, तो सरेयाँ जैसी छोटी जगह से निकलकर भी समंदर की विशाल लहरों और दुनिया के सबसे ताकतवर युद्धपोतों पर राज किया जा सकता है। समाजसेवा के प्रति उनका निस्वार्थ भाव और लोगों के सुख-दुख में सदैव तत्पर रहने की उनकी प्रवृत्ति यह बताती है कि उनके भीतर एक सैनिक का अनुशासन और एक सेवक की कोमलता दोनों का अद्भुत समन्वय है। अभिनय कुमार दुबे आज न केवल अपने परिवार की शान हैं, बल्कि वे उस नई पीढ़ी के ओजस्वी प्रतीक हैं जो राष्ट्र रक्षा और समाज कल्याण को अपना परम धर्म मानती है।

अमेरिका से ट्रेड डील

पीयूष गोयल के मुताबिक ट्रेड डील में रूसी तेल का मुद्दा नहीं है। इसलिए इस पर विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री गोयल से पूछने की सलाह दे चुके हैं। प्रधानमंत्री से तो स्पष्टीकरण की अपेक्षा ही नहीं है। अमेरिका से ट्रेड डील में रूसी तेल के मुद्दे को शामिल करने से भारत को आर्थिक के साथ-साथ प्रतिष्ठा का इतना बड़ा नुकसान हुआ है कि नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्री इसकी जवाबदेही एक दूसरे पर टालने की जुगत में दिखे हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक उन्होंने जो डील की, उसमें यह मुद्दा नहीं है, इसलिए इस बारे में विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बारे में गोयल से पूछने की सलाह दे चुके हैं। प्रधानमंत्री चूंकि असहज करने वाले सवालों पर कभी कुछ नहीं बोलते, इसलिए उनसे कोई स्पष्टीकरण मिलने की संभावना वैसे भी नहीं है। ये सच है कि ट्रेड डील से संबंधित साझा बयान में इस मसले का जिक्र नहीं है। लेकिन साझा बयान जारी होने के साथ ही ह्वाइट हाउस ने अलग विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भारत रूसी तेल की खरीदारी रोकने पर राजी हुआ है। यह भी बताया कि भारत कहीं चोरी-छिपे तेल ना खरीद ले, इसकी निगरानी अमेरिका के तीन मंत्री करेंगे। भारत सरकार के किसी मंत्री या अधिकारी ने इस अमेरिकी एलान का खंडन नहीं किया। उलटे मंत्री इसकी जवाबदेही दूसरे पर टालते दिखे हैं। इसलिए इसे ट्रेड डील का हिस्सा मान लिया गया है और बाजार में उसका असर दिखने लगा है। पहली मार गुजरात के वाडीनगर में स्थित नायरा रिफाइनरी पर पड़ती दिखी है। रूस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रोसनेफ्त की इसमें सबसे बड़ी शेयरहोल्डिंग है। इसमें अधिकतर रूस से आए कच्चे तेल का शोधन किया जाता है। लेकिन अब अमेरिका से ट्रेड डील के बाद इस रिफाइनरी का चलना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। तो ये चर्चा शुरू हो गई है कि रोसनेफ्त के शेयर खरीद कर कोई भारतीय कंपनी इसकी मालिक बनेगी और फिर वह अन्य स्रोतों से आए तेल का शोधन करेगी। अनुमान है कि यह तेल अधिकांशतः अमेरिका से आएगा। मगर यह महंगा सौदा है। अमेरिका से तेल ऊंचे भाव में मिलेगा। परिवहन खर्च पर बड़ी कीमत चुकानी होगी। उधर अमेरिकी दबाव में आने के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को पहुंची हानि अलग है। इसीलिए इसकी जवाबदेही पर मुंह छिपाने की जरूरत पड़ी है।

भारत में एआई का वैश्विक महाकुंभ- इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एक नए तकनीकी युग की दिशा

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भविष्य में जब एआई मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगा, तब यह महाकुंभ उस परिवर्तनकारी यात्रा की आधारशिला के रूप में स्मरण किया जाएगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत क्रा न केवल तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन होगा, बल्कि वैश्विक एआई विमर्श को नई दिशा देने का साहस भी दिखेगा वैश्विक स्तरपर 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारत को वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस परिदृश्य के केंद्र में स्थापित कर दिया है। नई दिल्ली में आयोजित यह पाँच दिवसीय महाकुंभ केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने वाला मंच बनकर उभरा है। इस समिट के साथ आयोजित एआई एक्सपो में लगभग 65 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक स्टार्टअप्स की उपस्थिति 13 देशों केपवेलियन 2.5 लाख से अधिक संभावित आगंतुक, 500 से अधिक सत्र और 3250 से अधिक वक्ता एवं पैनल सदस्य शामिल हो रहे हैं,जो वैश्विक स्तरपर रेखांकित करने वाली बात है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि यह आयोजन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास, कूटनीतिक परिपक्वता और नवाचार-नेतृत्व की स्पष्ट अभिव्यक्ति है।पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तरपर एआई को लेकर दो प्रमुख विमर्श सामने आ सकते हैं,एक ओर विनाशकारी जोखिम, नियामक ढांचा और नैतिकता; तो दूसरी ओर नवाचार, समावेशन और विकास। भारत इस समिट के माध्यम से इन दोनों ध्रुवों के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।जहाँ पूर्ववर्ती वैश्विक चर्चाएँअधिकतर जोखिमों और नियंत्रण पर केंद्रित थीं, वहीं नई दिल्ली इस बहस को जिम्मेदार,समावेशी और विकासोन्मुख एआई की दिशा में मोड़ने का प्रयास कर रही है। यह बदलाव केवल शब्दों का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का है एआई को भय का नहीं, बल्कि अवसर का माध्यम मानने का दृष्टिकोण। साथियों बात कर हम इस महत्वपूर्ण समिट को समझने की करें तो समिट का उद्घाटन 16 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शाम 5 बजे एआई एक्सपो के उद्घाटन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में उन्होंने एआई को मानवता के लिए परिवर्तनकारी शक्ति बताते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य केवल तकनीकी उपभोक्ता बनना नहीं, बल्कि वैश्विक एआई आर्किटेक्चर के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनना है। उनके संबोधन में यह स्पष्ट संदेश था कि भारत एआई को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और सतत विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना चाहता है।एआई एक्सपो इस समिट का जीवंत और व्यावहारिक आयाम है। यहाँ विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियाँ,उभरते स्टार्टअप्स, विश्वविद्यालय,अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक ही मंच पर उपस्थित हैं।13 देशों के पवेलियन ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्ज़रलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया ताजिकिस्तान और अफ्रीका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व एआई इकोसिस्टम में वैश्विक सहयोग की भावना को दर्शाते हैं। ये पवेलियन केवल प्रदर्शनी स्थल नहीं, बल्कि तकनीकी साझेदारी,निवेश अवसर और नीति संवाद केएक प्रमुख केंद्र बन गए हैं। साथियों बात अगर हम इस सबमिट की रूपरेखा को समझने की करें तो, 17 फरवरी को समिट का दूसरा दिन एप्लाइड एआई पर केंद्रित होगा।स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, कृषि,महिला सशक्तिकरण और दिव्यांगजन सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग पर विस्तृत चर्चाएँ होंगी।स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स, टेलीमेडिसिन और प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स की संभावनाओं पर विचार किया जायेगा।ऊर्जा क्षेत्र में स्मार्ट ग्रिड और कार्बन उत्सर्जन मॉनिटरिंग पर एआई के उपयोग को रेखांकित किया गया।शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने (पर्सनलाइज्ड लर्निंग) और एआई ट्यूटरिंग सिस्टम्स की संभावनाएँ सामने होंगी । कृषि में प्रिसीजन फार्मिंग, मौसम पूर्वानुमान और सप्लाई चेन ऑप्टिमाइजेशन जैसे उदाहरण प्रस्तुत हो सकते हैं। इस दिन प्रमुख नॉलेज कम्पेंडियम्स और केसबुक्स भी जारी होंगें , जो नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के लिए संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोगी होंगे।18 फरवरी को आयोजित रिसर्च सिम्पोज़ियम और इंडस्ट्री सेशन ने अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच पुल का कार्य होगा।शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और थिंक टैंकों ने अत्याधुनिक एआई अनुसंधान, उभरती पद्धतियों और साक्ष्य- आधारित नीति अंतर्दृष्टि प्रस्तुत होंगी।इस मंच पर एआई मॉडल की पारदर्शिता,एल्गोरिदमिक बायस, डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहन विमर्श होगा।यह स्पष्ट होगा कि एआई का भविष्य केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं, बल्कि नैतिकता और जवाबदेही पर भी आधारित होगा।19 फरवरी को 20 से अधिक देशों के नेताओं की उपस्थिति ने इस समिट को वैश्विक राजनीतिक महत्व प्रदान किया जायेगा। इस दिन एआई पर सामूहिक प्रतिबद्धताओं, वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ करने और आने वाले एआई दशक में भारत की भूमिका को परिभाषित करने पर चर्चा होंगी। उच्च- स्तरीय सीईओ राउंडटेबल में वैश्विक उद्योग नेताओं, निवेशकों और नीति निर्माताओं ने जिम्मेदार एआई के भविष्य पर विचार-विमर्श जायेगा।यहाँ यह स्वीकार किया गया कि एआई से रोजगार के स्वरूप में बदलाव आएगा, परंतु साथ ही नई नौकरियों और कौशलों की मांग भी उत्पन्न होगी। साथियों बात अगर हम रोजगार का प्रश्न इस समिट के माध्यम से समझने की करें तो यह केंद्रीय चिंता होंगी.कई वैश्विक सीईओ और एआई शोधकर्ताओं ने पहले ही चेतावनी दी है कि ऑटोमेशन और जनरेटिव एआई के कारण पारंपरिक नौकरियों पर खतरा मंडरा सकता है। परंतु समिट में यह भी रेखांकित किया जा सकता है कि एआई डेटा साइंस,मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग साइबर सुरक्षा, एआई एथिक्स और मानव- एआई सहयोग जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियाँ सृजित करेगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अवसर है कि वह कौशल विकास और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर इस परिवर्तन को सकारात्मक दिशा दे। साथियों बात अगर हम एआई और सुरक्षा का मुद्दा इसको समझने की करें तो यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठा सकता है, साइबर हमले,डीपफेक, डेटा दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े जोखिमों पर विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की। इस संदर्भ में बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया जायेगा।एआई के सैन्य उपयोग और स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर भी विचार होगा,जिसमें जिम्मेदार उपयोग और अंतरराष्ट्रीय मानकों की आवश्यकता को रेखांकित किया जायेगा डेटा सेंटर और पर्यावरणीय प्रभाव का प्रश्न भी चर्चा का महत्वपूर्ण विषय होगा। बड़े-बड़े डेटा सेंटर ऊर्जा की भारी खपत करते हैं और कार्बन उत्सर्जन बढ़ा सकते हैं। समिट में ग्रीन एआई, ऊर्जा-कुशल चिप्स और नवीकरणीय ऊर्जा आधारित डेटा सेंटर की अवधारणा पर विचार किया जा सकता है।यह स्पष्ट होगा कि तकनीकी प्रगति को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संतुलित करना अनिवार्य है। 20 फरवरी को ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (जीपीएआई) परिषद की उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित होंगी।सदस्य देशों केप्रतिनिधियों ने एआई पर सहयोग बढ़ाने की प्रगति की समीक्षा की और जिम्मेदार एवं समावेशी एआई के लिए नए बहुपक्षीय विकल्पों पर विचार होगा।बैठक के अंत में लीडर्स डिक्लेरेशन को अपनाया गया,जिसमें सामूहिक प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए वैश्विक एआई शासन और सहयोग के लिए साझा रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।

किशोरियों में बढ़ता फ्रेंड विद बेनिफिट कल्चर

कैलाश चन्द्र

भारत के सामाजिक परिदृश्य में एक बेचैन कर देने वाला बदलाव तेजी से उभर रहा है और उसकी सबसे मार्मिक झलक उस घटना में दिखाई देती है जिसमें 15 वर्ष की एक छात्रा गर्भवती पाई गई। डॉक्टर ने जब उससे पूछा कि बच्चा किससे हुआ है, तो उसका उत्तर था, "पता नहीं... कई थे।" यह घटना कोई सनसनीखेज अपवाद नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गहरी और अनदेखी सामाजिक सच्चाई का संकेत है। उस किशोरी ने स्वीकार किया कि महंगे फोन, रिचार्ज, आउटिंग और कूल लाइफस्टाइल की चाह में वह कई लड़कों के साथ फ्रेंड विद बेनिफिट जैसे संबंधों में रही। उसके शब्द सिर्फ एक लड़की की व्यक्तिगत त्रासदी न होकर उस परिघटना का रूपक हैं जो भारत के 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में तेजी से आकार ले रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 के आंकड़ों के अनुसार नाबालिगों पर होने वाले यौन अपराधों में अधिकांश अपराधी परिचित होते हैं। इनमें मित्र, पड़ोसी, रिश्तेदार, ऑनलाइन साथी और स्कूल-कॉलेज के परिचित शामिल रहते हैं। यह एक असहज सत्य की ओर संकेत करता है कि खतरा किसी बाहरी व्यक्ति से नहीं, बल्कि बच्चों की उसी दुनिया से आता है जिसे हम सुरक्षित मानते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों में भी यह संकेत मिलता है कि शहरी भारत में किशोरियों के शारीरिक संबंधों की प्रथम आयु 13 से 15 वर्ष के बीच खिसक रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण एशिया अध्ययन के अनुसार 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग की बड़ी संख्या में लड़कियां इंटरनेट आधारित यौन सामग्री देखती हैं और वेब सीरीज तथा सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर संबंध बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ये तथ्य बताते हैं कि यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संरचनात्मक और बहुस्तरीय है। आज का किशोर भौतिक संसार से कम और वर्चुअल संसार से अधिक प्रभावित है। इंस्टाग्राम, रील्स, ओटीटी और डेटिंग एप्स अब मनोरंजन के साधन नहीं रहे, बल्कि किशोर मन की संरचना को प्रभावित करने वाले प्रमुख माध्यम बन चुके हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययन बताते हैं कि 13 से 17 वर्ष की आयु में मस्तिष्क का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पूरी तरह विकसित नहीं होता। इसी कारण आवेग नियंत्रण कम रहता है और जोखिम लेने की प्रवृत्ति अधिक होती है। जब ऐसे मस्तिष्क पर रोज़ डिजिटल उत्तेजना की बाढ़ पड़ती है, तो परिणाम सीमाओं के टूटने, नैतिकता के धुंधलाने और जोखिमपूर्ण संबंधों के सामान्यीकरण के रूप में सामने आते हैं। लगातार मिल रहे लाइक्स, व्यूज और मैसेज किशोरों के मन में त्वरित संतुष्टि की आदत पैदा करते हैं और धीरे-धीरे रिश्ते अनुभव, शरीर वस्तु और सीमाएँ पुरानी अवधारणाएँ बनती जाती हैं। यही वह डिजिटल सबवर्शन है जो पहले मन को प्रभावित करता है और फिर व्यवहार को अपने वश में कर लेता है। परिवार की भूमिका भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण हो गई है। शहरों में कई माता-पिता यह मान बैठे हैं कि बच्चों को महंगी सुविधाएँ देना ही पालन-पोषण का अंतिम रूप है, जबकि सुविधा देना और उपस्थित रहना दोनों अलग बातें हैं। जब संवाद कम हो जाता है तो उसके स्थान पर पीयर ग्रुप, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, ओटीटी की कहानियां और सोशल मीडिया की छवियां बच्चों के मूल्य तय करने लगती हैं। जब 15 वर्ष का बच्चा महंगा फोन लिए घूमता है और माता-पिता उसकी पृष्ठभूमि या स्रोत पर सवाल नहीं करते, तो यह अनदेखी आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बन सकती है। आज का परिवार प्रोवाइडिंग पेरेंटिंग की ओर झुक गया है, जहाँ धन उपलब्ध है लेकिन भावनात्मक उपस्थिति, मार्गदर्शन और मूल्य निर्माण का अभाव है। यही अनुपस्थिति बच्चों को डिजिटल जंगल में अकेला छोड़ देती है। इस प्रवृत्ति का सबसे गहरा असर किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि इस प्रकार की संबंध संस्कृति आत्मसम्मान में गिरावट, अवसाद, चिंता, इमोशनल नंबनेस, सेल्फ वर्थ के टूटने और आइडेंटिटी क्राइसिस जैसी स्थितियाँ पैदा करती है। धीरे-धीरे संबंधों का एक लेन-देन मॉडल विकसित होने लगता है, जहाँ किशोरियां स्वयं को वस्तु की तरह देखने लगती हैं। किसी किशोरी का यह न जान पाना कि गर्भ किससे है, ये सिर्फ असावधानी नहीं बल्कि भावनात्मक विखंडन की चरम अवस्था को दर्शाता है, जहाँ शरीर, भावनाएँ और पहचान एक-दूसरे से कटने लगते हैं। उपभोक्तावाद ने भी इस स्थिति को गहराई दी है। बाजार ने किशोरों को अपना सबसे बड़ा उपभोक्ता वर्ग बना लिया है। उनकी असुरक्षाओं को लक्ष्य बनाकर उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता है कि उनकी कीमत महंगे फोन, फैशनेबल कपड़ों और सोशल मीडिया लाइक्स में छिपी है। जब पहचान वस्तुओं के सहारे बनने लगती है, तब शरीर, संबंध और नैतिकता भी बाज़ार की मुद्रा में बदल जाते हैं। यह उपभोक्तावाद का वह चेहरा है जो आधुनिक किशोरावस्था को भीतर तक प्रभावित कर रहा है। फ्रेंड विद बेनिफिट जैसी अवधारणाएँ पश्चिमी समाज में भी विवादित रही हैं और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानी गई हैं, लेकिन भारत में यह प्रवृत्ति बिना किसी सांस्कृतिक फिल्टर, पारिवारिक संवाद या स्कूल आधारित मार्गदर्शन के प्रवेश कर गई। इसका टकराव भारतीय सामाजिक संरचना से होकर रिश्तों के विघटन, सामूहिकता के क्षरण और मूल्य संक्रमण के रूप में सामने आ रहा है। यदि 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में भावनात्मक टूटन, डिजिटल लत, यौनिक प्रयोगशीलता और नैतिक भ्रम इसी तरह बढ़ते रहे, तो इसका असर भविष्य के कार्यबल, सामाजिक स्थिरता, मानव संसाधन और सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा। यह तो सभी स्वीकारेंगे ही कि राष्ट्र की शक्ति उसकी संख्या में न होकर उसकी युवा पीढ़ी की मानसिकता, अनुशासन और मूल्य संरचना में निहित होती है। यदि वही पीढ़ी दिशाहीन हो जाए, तब राष्ट्र की ऊर्जा भी दिशाहीन हो जाती है। समाधान किसी एक संस्था के पास नहीं है, बल्कि यह चार स्तंभों के संयुक्त प्रयास से ही संभव है। परिवार में डिजिटल पेरेंटिंग को आवश्यक बनाना होगा, जहाँ फोन देना और निगरानी दोनों साथ हों। संवाद की पुनर्स्थापना हो और प्रतिदिन कुछ समय परिवार एक साथ बैठकर बातचीत करे। किशोरियों को सेल्फ वर्थ, सीमाएँ और स्वस्थ संबंधों के मूल्य सिखाए जाएँ। विद्यालयों में डिजिटल नैतिक शिक्षा और आयु-उपयुक्त सुरक्षा संबंधी वार्ता हो, साथ ही प्रशिक्षित काउंसलर्स की नियुक्ति भी की जाए। सरकार को एडल्ट प्लेटफॉर्म्स और डेटिंग एप्स पर कड़े आयु सत्यापन लागू करने चाहिए और ओटीटी पर किशोर संवेदनशील रेटिंग को प्रभावी बनाना चाहिए। इसके साथ ही समाज स्तर पर जागरूकता अभियान, संवाद मंच और माता-पिता–किशोर कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए, ताकि मूल्य निर्माण की प्रक्रिया फिर से मजबूत हो सके। आज यह स्थिति एक चेतावनी है। बच्चे भारत की वर्तमान नींव हैं। उन्हें सुरक्षित रखना, मानसिक रूप से सशक्त बनाना और मूल्य संपन्न बनाना ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है।

मेष राशिः आज का दिन आपको लाभ दिलाने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं का रास्ता आज ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आप किसी सामाजिक काम में अपना सहयोग करेंगे। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन व्यस्तता से भरा होगा। किसी काम में की गई मेहनत जरूर सफल होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आपके क्रोध से बना हुआ काम बिगड़ भी सकता है, इसलिए आपको अपने गुस्से पर पूरा कण्ट्रोल रखना चाहिए। खुद को मानसिक रूप से फिट रखने के लिये आपको मैडिटेशन की हैबिट डालनी चाहिए।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा। सुबह के समय वर्क आउट शुरू करने से आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर मिलेंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन-देन के मामलों में.. आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। करियर के क्षेत्र में भी आपको अपने गुरु का सहयोग मिलेगा आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। आपका कॉन्फिडेंस आपको सक्सेस दिलाने में मदद करेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्रोग्राम सफल होगा। आज घर के बड़े-बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी। आज आपको अपनी मनपसंद चीज मिल सकती है। अपनी सेहत को ठीक रखने के लिये आज आपको तली-भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए, मौसमी सब्जियों का प्रयोग आपको स्वस्थ बनाये रखने में मदद करेगा।

कन्या राशिः आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम रहेंगे। आप अपने काम व जीवन के बीच बैलेंस बनाये रखेंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डीनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे रिश्तों में मिठास आयेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा हो सकता है। आप पिछले छूटे कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। साथ ही किसी भी तरह का बड़ा निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर रहेगा। इस राशि की बिजनेस वोमेन बड़ी डील फाइनल कर सकती हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियाँ लाया है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन रोज की अपेक्षा ज्यादा अच्छा रहेगा। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद.. लाभ का योग बना रहेगा। बेवजह की भाग दौड़ से बचें। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान होगा। आपके अच्छे काम से उच्चाधिकारी खुश होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। महिलाएँ अपने बच्चों के साथ बेहतर समय बिताएगी।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को सफलता के लिए शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार कर सकते हैं।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डीनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे, जिससे रिश्तों में मिठास आयेगी।

मीन राशिःआज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बेरोजगारों को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे।

मोहन सरकार का सशक्त विजन : एक ट्रिलियन डॉलर की ओर बढ़ता मध्य प्रदेश

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मध्यप्रदेश आज एक ऐसे परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जहाँ विकास नारा न होकर धरातल पर उतरती हुई वास्तविकता बन चुका है। राज्य की आर्थिक गति, औद्योगिक विस्तार, कृषि समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में हो रहे सतत प्रयासों ने इसे देश के तेजी से उभरते राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। इस परिवर्तन के केंद्र में हैं डॉ. मोहन यादव, जिनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना है कि राज्य का विकास देश के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है। वे अक्सर कहते हैं कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊँचाइयों को छू रहा है और इसी दिशा में मध्यप्रदेश भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य ने एक व्यापक दृष्टिपत्र तैयार किया है, जिसमें आने वाले 25 वर्षों में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है।

आर्थिक विकास की नई कहानी- पिछले कुछ वर्षों में एक तरह से देखें तो जिस गति से आर्थिक प्रगति की है, वह प्रेरणादायक है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान में लगभग 1 लाख 55 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसे अगले 25 वर्षों में 22 लाख 50 हजार रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे व्यापक औद्योगिक निवेश, कृषि उत्पादन और सेवा क्षेत्र के विस्तार से हासिल किया जाएगा। राज्य सरकार ने औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए 18 नई औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों का उद्देश्य बड़े शहरों के साथ ही छोटे और दूरस्थ क्षेत्रों तक उद्योगों को पहुँचाना है। इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टरों पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगा है।

रोजगार सृजन और युवाओं में नया उत्साह- मप्र में तेजी से बढ़ते उद्योगों और निवेश के कारण रोजगार के नए अवसर लगातार पैदा हो रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाला बने। इसी उद्देश्य से स्वरोजगार और युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। यही कारण है कि वर्तमान में प्रदेश की बेरोजगारी दर मात्र 1 से 1.5 प्रतिशत के बीच रह गई है, जोकि देश के कई राज्यों की तुलना में काफी कम है। इसका सीधा संबंध उद्योगों के विस्तार, एमएसएमई सेक्टर की मजबूती और कृषि आधारित रोजगार से है। वस्तुतः यहां देखने में यह भी आ रहा है, जैसा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना भी है कि एमएसएमई क्षेत्र राज्य के औद्योगिक विकास की बैकबोन है। छोटे और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर ही व्यापक स्तर पर रोजगार सृजित किया जा सकता है। यही कारण है कि राज्य सरकार एमएसएमई और लघु उद्योगों को विशेष अनुदान, कर में रियायत और आसान ऋण सुविधा उपलब्ध करा रही है। औद्योगिकरण को विशेष रूप से जनजाति और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कटनी और शहडोल जैसे क्षेत्रों में माइनिंग सेक्टर में निवेश बढ़ा है, वहीं नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स के निर्माण के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। यही कारण है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मिले लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से करीब 8 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश की नीतियों और वातावरण पर लगातार बढ़ रहा है।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती-मध्यप्रदेश लंबे समय से कृषि क्षेत्र में अग्रणी रहा है और सरकार इसे और सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। कृषक कल्याण वर्ष के तहत किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया गया है। कृषि उत्पादन के साथ-साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। सिंचाई के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ाया गया है और इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा क्षेत्र के किसानों को विशेष लाभ मिला है। इसके साथ ही नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य देश में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है। मुरैना में उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर एक बड़ा सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है, जिससे दोनों राज्यों को बिजली का लाभ मिलेगा। किसानों को सोलर पंप देकर ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मंदसौर के गांधी सागर बांध में पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट की स्थापना भी राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह सब प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को भी गति दे रहे हैं।

कौशल विकास और तकनीकी सशक्तिकरण- औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ भविष्य में कुशल श्रमिकों की मांग भी बढ़ेगी। इसे ध्यान में रखते हुए शिक्षा नीति 2020 के तहत युवाओं के कौशल उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेजों में आईटी सेंटर खोले जा रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। सरकार तकनीक को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देख रही है और युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास- प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी ठोस काम मध्यप्रदेश में मोहन सरकार के नेतृत्व में होता हुआ इन दिनों बड़े स्तर पर देखा जा सकता है। प्रदेश के एक लाख से अधिक स्वसहायता समूहों को बाजार और तकनीकी सहायता दी जा रही है। उद्योगों में महिलाओं को 48 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है और उनके लिए विशेष औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं। वहीं धार्मिक पर्यटन को नई गति देने के लिए होम-स्टे जैसी योजनाओं को बढ़ावा दिया गया है। इससे एक ओर पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल रही है, तो दूसरी ओर ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि का नया मार्ग खोल रही है, महिला सशक्तिकरण की इसमें बड़ी भूमिका है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

टी20 विश्वकप में आज नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

» सुपर-8 के लिए लय हासिल करना होगा लक्ष्य
» शाम सात बजे से शुरु होगा मैच

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय टीम बुधवार को यहां नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले टी20 विश्कप मैच में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह पहले ही सुपर आठ में पहुंच गयी है। ऐसे में उसके खिलाड़ियों का लक्ष्य इस मैच से अपनी लय को और बेहतर करना होगा। वहीं अब तक रन नहीं बना पाये सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का भी लक्ष्य बड़ी पारी खेलकर फार्म हासिल करना रहेगा। अभिषेक अभी तक खेले दोनो ही मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाये थे। इसके अलावा अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ अपनी तैयारियों का और पक्का करना चाहेंगे। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर छाये हुए ईशान किशन इस बार भी अधिक

से अधिक रन बनाना चाहेंगे। ईशान के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही अब तक इस टूर्नामेंट में अभिषेक के असफल होने के बाद भी भारतीय टीम हर मैच जीती है। वहीं तिलक वर्मा भी अपने नाम के अनुरुप खेलते आये हैं। पाक के खिलाफ शुरुआती विकेट गिरने के बाद उन्होंने ईशान के साथ मिलकर पारी संभाली थी। दोनो के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। ऑलराउडर शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने भी पाकिस्तान के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर गेंदबाज में उन्होंने शुरुआती विकेट लेकर कमी पूरी कर दी। पाक के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल पाये कप्तान सूर्यकुमार यादव भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव का प्रदर्शन प्रभावी रहा है जो ये इस मैच में भी बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ मैच में भारतीय बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाये थे ऐसे में भारतीय टीम नीदरलैंड को कम आंकने की भूल नहीं करेगी। नीदरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण में बहुत अच्छे स्पिनर नहीं हैं पर फिर भी भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। नीदरलैंड की स्पिन आक्रमण में आर्यन दत्त और रोएलॉफ वैन डेर मेरवे शामिल है जो भारतीय बल्लेबाजों के सामने परेशानी खड़ी करने का प्रयास करेंगे। भारत इस मैच सुपर आठ से पहले कुछ गेंदबाजों को आराम दे सकता है, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।इस मैच में भारत दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है। अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को के अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। ऐसे में स्पिन विभाग की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल के पास रहेगीहैं। नीदरलैंड की टीम इस मैच में बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करना चाहेगी। नामीबिया पर जीत के बाद पिछले मैच में उसे अमेरिका से करारी हार मिली थी जिससे वह उबरना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

नीदरलैंडः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, नोआ क्रोज़, बास डी लीडे, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, माइकल लेविट, ज़ैक लायन-कैशेट, मैक्स ओडोव्ड, लोगान वैन बीक, टिम वैन डेर गुगटेन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन, साकिब जुल्फिकार।

शमी ने रणजी में आठ विकेट लेकर टीम इंडिया में वापसी के लिए दावेदारी की

एजेंसी, नई दिल्ली

पिछले काफी समय से भारतीय टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में आठ विकेट लेकर चयनकर्ताओं को करारा जवाब दिया है। शमी ने हाथ में पट्टी बांधकर जिस प्रकार 22.1 ओवर में 90 रन देकर आठ विकेट लिए। उससे उनका फार्म और फिटनेस दोनो ही साबित हुए हैं। ये उनके प्रथम श्रेणी करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शमी की इस गेंदबाजी से ही बंगाल को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ सेमीफाइनल में पहली पारी में 26 रन की बढ़त मिली। अब फाइनल में बंगाल और कर्नाटक का मुकाबला होने की संभावना है। दूसरे और तीसरे दिन शमी ने जबरदस्त गेंदबाजी की। शमी ने पांच विकेट लेने के बाद सटीक लाइन-लेंथ के साथ तीन विकेट और निकाले। इस प्रकार कुल आठ विकेट झटके। इस दौरान उनकी तेज गेंदबाजी में धार देखी गयी। 35 साल की उम्र में, बिना किसी बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध और राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बाद बाद भी शमी ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। उन्होंने एक बार फिर अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को उनकी ओर ध्यान देने मजबूर किया है। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर और शमी के बीच पिछले एक साल में फिटनेस को लेकर मतभेद रहे हैं। आगरकर का मानना है कि शमी पांच दिवसीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं पर शमी हर बार अपने प्रदर्शन से जवाब देते आए हैं। इस बार भी शायद वह यही दिखाना चाहते हैं। बंगाल ने 249/5 से आगे खेलते हुए 328 रन बनाए। सुदीप घरामी की 146 रनों की पारी खेली जबकि आकिब नबी ने 5/87 लेकर प्रभावित किया। नबी ने इस सीजन में रणजी ट्रॉफी में अपने 50 विकेट भी पूरे किए लेकिन जब जम्मू-कश्मीर ने जवाबी पारी शुरू की, तो मैच पर पूरी तरह शमी हावी रहे। दूसरे दिन नई गेंद से शमी ने शुबहम खजूरिया और यावर हसन को जल्दी आउट कर जम्मू-कश्मीर को 13/2 पर ला दिया और बाद में उन्होंने पारस डोगरा और अब्दुल समद के बीच 147 रनों की खतरनाक साझेदारी को तोड़ा। समद (82) और डोगरा (58) दोनों को आउट कर शमी ने मैच का रुख पलट दिया। डोगरा ने अपनी पारी के दौरान रणजी ट्रॉफी में 10,000 रन भी पूरे किए.

टी20 विश्व कप 2026: जिम्बाब्वे सुपर-8 से एक कदम दूर, आयरलैंड के लिए करो या मरो मुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप-बी में आज दोपहर होने वाला मुकाबला जिम्बाब्वे और आयरलैंड दोनों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है। जिम्बाब्वे की टीम जहां सुपर-8 में जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी, वहीं आयरलैंड के लिए यह मुकाबला टूर्नामेंट में बने रहने की आखिरी उम्मीद है। ग्रुप-बी की अंकतालिका में जिम्बाब्वे दो मैचों में दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर है। सह-मेजबान श्रीलंका ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराकर सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जिससे ग्रुप की स्थिति और रोचक हो गई है। आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया बराबर अंकों पर हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण ऑस्ट्रेलिया आगे है। यदि आयरलैंड जिम्बाब्वे को हरा देता है तो वह तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। जिम्बाब्वे के लिए यह मुकाबला ऐतिहासिक महत्व का है। अगर वह जीत दर्ज करता है तो सुपर-8 में पहुंच जाएगा और साथ ही 2009 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया ग्रुप चरण से बाहर हो सकता है। जिम्बाब्वे ने अपने पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था, जबकि पहले मुकाबले में ओमान को मात दी थी।

हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में दोनों टीमों का रिकॉर्ड बराबरी पर है—दोनों ने आठ-आठ मैच जीते हैं। आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में आयरलैंड (12वें) से एक स्थान ऊपर 11वें नंबर पर मौजूद जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने किसी भी तरह की ढिलाई से बचने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, "अब तक मिली जीत का कोई मतलब नहीं रहेगा अगर हम यहां चूक गए। अगला मैच ही हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।" दूसरी ओर, आयरलैंड भी आत्मविश्वास से भरी हुई है। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद टीम ने ओमान के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर नेट रन रेट में सुधार किया। कप्तान लोर्कन टकर की 51 गेंदों में नाबाद 94 रन की पारी ने टीम को 96 रन की शानदार जीत दिलाई। अब आयरलैंड एक और जीत के साथ सुपर-8 की दौड़ में बने रहना चाहेगा।

मैच विवरणः

मुकाबला – मैच संख्या 32
तारीख – 17 फरवरी 2026
समय – दोपहर 3 बजे (स्थानीय समय)
स्थान – पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, पल्लेकेले

पिच रिपोर्टः

दोनों टीमों ने अभी तक पल्लेकेले में मैच नहीं खेला है, लेकिन यहां हाई-स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिले हैं। श्रीलंका ने ओमान के खिलाफ 225/5 का स्कोर बनाया था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 182 रन का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल किया था। ऐसे में एक और रन वर्षा की उम्मीद की जा सकती है।

आयरलैंड संभावित एकादशः- रॉस अडैर, टिम टेक्टर, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर (कप्तान और विकेटकीपर), कर्टिस कैंफर, जॉर्ज डॉकरेल, गैरेथ डेलानी, मार्क अडैर, बैरी मैकार्थी, मैथ्यू हम्फ्रीज़, जोशुआ लिटिल

जिम्बाब्वे संभावित एकादशः- ब्रायन बेनेट, तदीवानाशे मरुमानी (विकेटकीपर), डिऑन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, तशिंगा म्यूसेकिवा, ब्रैड इवांस, वेलिंग्टन मसाकाद्ज़ा, ग्रेम क्रीमर, ब्लेसिंग मुज़रबानी, रिचर्ड नगारावा

एफआईएच प्रो लीग : होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित, हार्दिक सिंह होंगे कप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट स्थित तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेले जाएंगे। इस चरण में भारत के साथ स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी हिस्सा लेंगी। राउरकेला चरण में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबले खेलने के बाद अब भारतीय टीम की नजर होबार्ट में बेहतर प्रदर्शन करने पर है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण देखने को मिल रहा है।

हार्दिक सिंह को कप्तानी, हरमनप्रीत टीम से बाहर- दो बार ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं, हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे।

राउरकेला चरण में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले अमनदीप लकड़ा और मनमीत सिंह को भी टीम में जगह दी गई है।

गोलकीपिंग और डिफेंस में अनुभव व युवा जोश- गोलकीपर की जिम्मेदारी सूरज करकेरा और मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार संभालेंगे। डिफेंस में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। इनके साथ अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच और पूवन्ना चंदूरा बॉबी जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं।

मिडफील्ड और अटैक में दमदार संयोजन- मिडफील्ड की अगुवाई कप्तान हार्दिक सिंह के साथ संजय, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल करेंगे। इनके अलावा राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह और विष्णु कांत सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। फॉरवर्ड लाइन में मनदीप सिंह, अभिषेक और शिलानंद लकड़ा जैसे स्थापित खिलाड़ी शामिल हैं। मनींदर सिंह की टीम में वापसी हुई है, जो 2022 एशिया कप और प्रो लीग 2022-23 तथा 2023-24 में टीम का हिस्सा रहे थे। अराइजित सिंह हुंडाल, आदित्य अर्जुन लालागे और अंगद बीर सिंह भी आक्रमण को मजबूती देंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि राउरकेला में निराशाजनक परिणामों के बावजूद टीम ने कई महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं और अब हॉबार्ट चरण में बेहतर प्रदर्शन के साथ विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूत करना लक्ष्य है।

भारत की 24 सदस्यीय टीम (एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26, होबार्ट चरण)

गोलकीपरः- सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडरः- अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी।

मिडफील्डरः- राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह (कप्तान), मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल।

फॉरवर्डः- अभिषेक, शिलानंद लकड़ा, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडाल, आदित्य अर्जुन लालागे, अंगद बीर सिंह, मनींदर सिंह।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में गिरावट के बाद संभला शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में निचले स्तर से रिकवरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी होती हुई नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ गई। हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी, जिससे बाजार की स्थिति में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ और निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टीसीएस, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा के शेयर 2.71 प्रतिशत से

लेकर 1.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एटरनल, श्रीराम फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा के शेयर 2.77 प्रतिशत से लेकर 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,582 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,693 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 889 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 16 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 79.48 अंक की गिरावट के साथ 83,197.67 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण पहले 10 मिनट में ही यह सूचकांक गिर कर 82,987.43 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 26.95 अंक की मजबूती के साथ 83,304.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 44.80 अंक फिसल कर 25,637.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से यह सूचकांक टूट कर 25,570.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 26.80 अंक की गिरावट के साथ 25,655.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 650.39 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ 83,277.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

सर्राफा बाजार के साथ ही कमोडिटी मार्केट में भी सोना-चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार (बुलियन मार्केट) के साथ ही कमोडिटी मार्केट में भी आज सोना और चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। एशियाई बाजार में आज लूनर न्यू ईयर की छुट्टी की वजह से सोना और चांदी दोनों कमोडिटी में ट्रेडिंग घट गई है, जिससे इनकी कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इसके साथ ही अमेरिकी डॉलर की मजबूती से भी सोना और चांदी की कीमत पर दबाव बढ़ा हुआ नजर आ रहा है। इसी वजह से मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोपहर 12 बजे के करीब चांदी की कीमत 7,491 यानी 3.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,32,400 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बनी हुई थी। इसी तरह सोना 2,760 रुपये यानी 1.77 प्रतिशत फिसल कर 1,52,024 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी के भाव में गिरावट

का ट्रेंड बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट सिल्वर लुढ़क कर 73 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि बाद में इसमें सुधार हुआ, जिससे भारतीय समय के अनुसार दोपहर 12 बजे तक यह चमकीली धातु 2.71 प्रतिशत गिर कर 74.51 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई थी। इसी तरह स्पॉट गोल्ड भारतीय समय के अनुसार दोपहर 12 तक 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,947.98 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ था। अप्रैल डिलीवरी वाला यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 1.62 प्रतिशत गिर कर 4,966.80 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ था। बताया जा रहा है कि यूएस डॉलर इंडेक्स 0.20 प्रतिशत बढ़ा हुआ है, जिससे डॉलर के अलावा दूसरी करेंसी रखने वाले निवेशकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के जरिए बिकने वाला बुलियन (सोना और चांदी) महंगा हो गया है। इस वजह से भी निवेशकों के रुझान में कमी आई है, जिसका असर इन दोनों चमकीली धातुओं के भाव में गिरावट के रूप में नजर आ रहा है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में केटौती करता है या डॉलर में कमजोरी आती है, तो चांदी और सोने के भाव में एक बार फिर तेजी का रुख बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिलहाल चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड में गिरावट आई है। इसके साथ ही इन्वेंटरी और रीसाइक्लिंग सप्लाई भी चांदी की कीमत को सीमित करने का काम कर रही है। इसलिए फिलहाल चांदी की कीमत में बेतहाशा तेजी आने की उम्मीद कम है।

20 फरवरी से खुलेगा गोडियम आईवीएफ का आईपीओ

नई दिल्ली। फर्टिलिटी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी गोडियम आईवीएफ एंड वूमेन हैल्थ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 20 फरवरी 2026 से निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी ने इश्यू का प्राइस बैंड 75 से 79 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कुल 165 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 75 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। फ्रेश इश्यू के तहत करीब 1.13 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। वहीं ओएफएस में लगभग 94.9 लाख शेयर बेचे जाएंगे। कंपनी ने 189 शेयरों का एक लॉट निर्धारित किया है। ऊपरी प्राइस बैंड 79 रुपए के हिसाब से खुदरा निवेशकों को न्यूनतम 14,931 रुपए का निवेश करना होगा। आईपीओ 24 फरवरी को बंद होगा, जबकि शेयरों का आवंटन 25 फरवरी को तय होने की संभावना है।

अडाणी समूह एआई सक्षम डेटा केंद्र विकसित करने के लिए 100 अरब डॉलर निवेश करेगा

नई दिल्ली। अडाणी समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित अत्याधुनिक एआई सक्षम डेटा केंद्रों को 2035 तक विकसित करने के लिए 100 अरब अमेरिकी डॉलर (9 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। अडाणी समूह ने मंगलवार को नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित अत्याधुनिक एआई सक्षम डेटा केंद्रों को विकसित करने के लिए अगले 9 साल यानी 2035 तक 100 अरब यूएस डॉलर का निवेश करने की घोषणा की। यह दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत 'एनर्जी-कंप्यूट' प्रतिबद्धताओं में से एक है। समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने बयान में कहा कि इस पहल से 'सर्वर' निर्माण, 'क्लाउड' मंच एवं सहायक उद्योगों में अतिरिक्त 150 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश

होने की उम्मीद है। इससे भारत में 250 अरब डॉलर का अनुमानित एआई अवसंरचना परिवेश तैयार होगा। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि दुनिया एक ऐसी बुद्धिमत्ता क्रांति में प्रवेश कर रही है, जो पिछली किसी भी औद्योगिक क्रांति से कहीं अधिक गहन है। ऊर्जा एवं कंप्यूटर के बीच सामंजस्य स्थापित करने में निपुण राष्ट्र ही आने वाले दशक को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि भारत नेतृत्व करने के लिए अद्वितीय स्थिति में है। गौतम अडाणी ने कहा कि अडाणी समूह में हम डेटा केंद्रों और हरित ऊर्जा में अपनी मजबूत नींव पर काम करते हुए भारत की प्रौद्योगिकी संप्रभुता पर केंद्रित पांच स्तरीय एआई ढांचे में विस्तार कर रहे हैं। एआई युग में भारत केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा। हम बुद्धिमत्ता के विनिर्माता, विकासकर्ता एवं निर्यातक होंगे और हमें उस भविष्य में भागीदार होने पर गर्व है।''

पेप्सिको का पसंदीदा आलू चिप्स ब्रांड 'लेज' मार्च से नई पैकिंग में नजर आएगा

नई दिल्ली। पेप्सिको का पसंदीदा आलू चिप्स ब्रांड लेज मार्च से भारत में अपनी नई ब्रांड पहचान यानी नई 'पैकिंग' में नजर आएगा। लेज का ये नया अवतार ब्रांड एंबेसडर रणबीर कपूर के साथ इसके नए 'लेज के लिए कुछ भी' कैंपेन के जरिए स्क्रीन पर दिखाया जाएगा। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि पसंदीदा पोटैटो चिप्स ब्रांड लेज भारत में अपनी नई ब्रांड पहचान लॉन्च करेगा। पेप्सिको के अनुसार नए 'लोगो' (पहचान चिह्न) वाले लेज के नए पैकेट मार्च के पहले हफ्ते से पूरे भारत में उपलब्ध होंगे। ये कंपनी के करीब 100 साल के इतिहास में सबसे बड़े वैश्विक ब्रांड नवीनीकरण अभियान का हिस्सा है। यह बदलाव न केवल भारत में बल्कि, दुनियाभर के बाजारों में एक साथ किया जा रहा है, ताकि ब्रांड की वैश्विक पहचान को एकरूपता दी जा सके। पेप्सिको इंडिया में

खाद्य उत्पादों की मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) साक्षी वर्मा मेनन ने कहा कि खेत से पैकेट तक की यात्रा को अधिक स्पष्ट तरीके से दर्शाते हुए हम लेज के विकास में टिकाऊपन तथा गुणवत्ता को केंद्र में रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई पहचान को इसके ब्रांड एंबेसडर रणबीर कपूर के साथ 'लेज के लिए कुछ भी' कैंपेन के जरिए स्क्रीन पर दिखाया जाएगा।

शहरों में आसान ड्राइविंग के लिए बेहतर विकल्प है पंच ईवी

नई दिल्ली। पेट्रोल मॉडल के इलेक्ट्रिक वर्जन के रूप में पेश की गई टाटा मोटर्स की टाटा पंच ईवी एसयूवी शहरों में आसान ड्राइविंग के साथ तेज परफॉर्मेंस चाहने वालों के लिए आकर्षक विकल्प बन गई है। 3,857 मिमी लंबाई और 4.9 मीटर टर्निंग रेडियस के कारण यह ट्रैफिक और तंग पार्किंग में भी आसानी से नियंत्रित की जा सकती है। टाटा पंच ईवी का सबसे बड़ा आकर्षण इसका टॉप वेरिएंट है, जिसमें 120 बीएचपी और 190 एनएम पॉवर वाली मोटर मिलती है। यह 0 से 100 किमी प्रति घंटा गति 9 सेकंड से कम में पकड़ लेती है, जो कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक सेगमेंट में इसे खास बनाता है। लगभग रुपए 14.44 लाख एक्स-शोरूम

कीमत वाला यह वेरिएंट परफॉर्मेंस के हिसाब से काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। एसयूवी की राइड क्वालिटी भी बेहतर है। बैटरी को फ्लोर में लगाने से इसका संतुलन मजबूत हुआ है और सस्पेंशन खराब सड़कों पर भी शांत अनुभव देता है। हालांकि धीमी रफ्तार पर मोड़ते समय हल्की स्लिपेज महसूस हो सकती है, लेकिन कुल मिलाकर इसका हैंडलिंग भरोसेमंद बना रहता है। इस मॉडल का फेसलिफ्ट 20 फरवरी को लॉन्च होने की तैयारी में है। नए वर्जन में क्लोज्ड ग्रिल, अपडेटेड हेडलैंप और नए कलर मिलने की संभावना है। इंटीरियर में बड़ा टचस्क्रीन और बेहतर फ्रंट सीट्स जैसे बदलाव भी अपेक्षित हैं। वहीं 25 केडब्ल्यूएच और 35केडब्ल्यूएच बैटरी पैक में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है। पंच ईवी फिलहाल उन खरीदारों के लिए मजबूत विकल्प बनी हुई है जो कॉम्पैक्ट साइज में तेज, आरामदायक और भरोसेमंद इलेक्ट्रिक एसयूवी चाहते हैं, और फेसलिफ्ट इसकी आकर्षकता और बढ़ा सकता है। मालूम हो कि भारतीय बाजार में कॉम्पैक्ट साइज में बेहतर परफॉर्मेंस देने वाली गाड़ियों की कमी रही है, लेकिन टाटा मोटर्स की टाटा पंच ईवी इस धारणा को बदलती दिख रही है।

आईना हैं अनुभव सिन्हा की फिल्में, वह बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं कहानी : तापसी पन्नू

‘मुल्क, ‘थप्पड़ और ‘आर्टिकल 15 जैसी फिल्मों में काम करने के बाद तापसी पन्नू अब अनुभव सिन्हा के साथ आ रही फिल्म अस्सी को लेकर उत्साहित हैं। तापसी ने अनुभव सिन्हा के साथ काम करने के अनुभव को शानदार बताया। तापसी पन्नू ने उन्हें एक ऐसा निर्देशक बताया जो कहानियों को बहुत सच्चाई और सरलता से पेश करते हैं। तापसी ने कहा, मैं अनुभव सिन्हा को सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा तक सीमित नहीं रखना चाहती। उन्हें बहुत सी ऐसी चीजों को बेहतरीन तरीके से सामने लाने की कला आती है जो उनकी फिल्मों को ड्रामाई रूप से रियल और शानदार बनाती हैं। चाहे ‘मुल्क या ‘अस्सी जैसे कोर्टरूम ड्रामा हों या ‘थप्पड़ और ‘आर्टिकल 15 जैसी कहानियां, उनकी कहानी कहने का अंदाज बेहतरीन है और वह सच को सहजता से सामने लाते हैं। उन्होंने आगे बताया कि अनुभव सिन्हा जिंदगी की सच्चाई को इतनी आसानी से दिखाते हैं कि एक बार सामने आने के बाद उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि उनकी फिल्में इतनी असरदार बनती हैं। तापसी का मानना है कि जब कोई डायरेक्टर सबसे साधारण कहानियों को भी दमदार तरीके से पेश कर सकता है तो एक्टर उसके साथ सबसे सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह सकता है कि अनुभव की फिल्मों में किसी एक्टर ने अच्छा काम नहीं किया। अनुभव जो मटेरियल और सीन देते हैं, उनमें अगर एक्टर पूरी तरह कमिटेड है तो गलत होने की गुंजाइश बहुत कम रहती है। उनके दिए डायलॉग और मोमेंट्स एक बच्चे को कैंडी शॉप में मिलने वाली खुशी जैसे होते हैं। ‘अस्सी में तापसी पन्नू के साथ लीड रोल में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद जीशान अय्यूब नजर आएंगे। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा के स्पेशल अपीयरेंस भी हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में तैयार फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज पेश कर रहे हैं। यह बनारस मीडिया वर्क्स का प्रोडक्शन है, जिसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, और अनुभव सिन्हा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म एक दिन का नया पोस्टर रिलीज, जुनैद खान और साई पल्लवी का दिखा प्योर रोमांटिक अंदाज

एक दिन एक ऐसी रोमांटिक और जादुई प्रेम कहानी का वादा करती है जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. इसके साथ ही, यह फिल्म आमिर खान और मंसूर खान जैसे दिग्गज फिल्ममेकर्स के रीयूनियन का गवाह बनेगी, जो जो जीता वही सिकंदर और जाने तू... या जाने ना जैसी कल्ट क्लासिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. आमिर खान और मंसूर खान की वो सुपरहिट जोड़ी, जिसने हमें कयामत से कयामत तक और जाने तू... या जाने ना जैसी क्लासिक फिल्में दी हैं, एक बार फिर एक प्यारी सी लव स्टोरी लेकर वापस आ गई है. जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर एक दिन एक ऐसी कोमल और जादुई रोमांस की कहानी है, जो जज्बातों और रिश्तों की सादगी का जश्न मनाती है. टीजर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इस जादुई प्रेम कहानी की एक झलक मिली है. इसमें जुनैद खान का वो प्यारा सा अनाड़ीपन और शर्मीला अंदाज, साई पल्लवी की सादगी और चमक के साथ एकदम फिट बैठ रहा है. फैंस प्यार के इस नए और ताज़ा अंदाज को पर्दे पर देखने के लिए अब और भी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं. वैलेंटाइन डे के खास मौके पर आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक दिन का एक नया पोस्टर शेयर किया है. इस पोस्टर में एक बहुत ही प्यारा और सुकून भरा पल कैद किया गया है. एक शांत से सुपरमार्केट में जुनैद और साई एक-दूसरे के सामने खड़े हैं और साई के हाथ में एक मफिन है जिस पर एक मोमबत्ती जल रही है. यह छोटा सा लेकिन दिल छू लेने वाला पल उस कोमल और प्यारी प्रेम कहानी की झलक देता है जो इस फिल्म की जान है. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, बस एक दिन ही काफी है, टीजर अब आउट, देखिए एक दिन सिर्फ सिनेमाघरों में, 1 मई 2026 को. एक दिन के जरिए आमिर खान और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर मंसूर खान की आइकॉनिक जोड़ी लंबे समय बाद साथ वापसी कर रही है. इस जोड़ी ने पहले भी कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं. अब एक बार फिर वे एक रोमांटिक लव स्टोरी के लिए साथ आए हैं, जो इस फिल्म को देखने की एक बड़ी वजह बन गई है. इस रीयूनियन ने फिल्म की और झलकियां देखने की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है. आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं. सुनील पांडे के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

बैटल ऑफ गलवान से रोमांटिक सॉन्ग मैं हूं रिलीज, चित्रांगदा सिंह संग दिखी सलमान खान की लविंग केमिस्ट्री

मातृभूमि को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, जिसने सभी प्लेटफॉर्म्स पर 50 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है. अब सलमान खान फिल्म्स ने बैटल ऑफ गलवान वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक मैं हूं पेश किया है. ऐसे में, सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया यह पूरा गाना अब रिलीज हो चुका है और यह फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से समेटे हुए है. सोशल मीडिया हैंडल पर गाना शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मैं हूं, एक रिश्ते के भीतर के प्यार को बखूबी दर्शाता है, जिसमें परिवार के साथ बिताए हंसी-खुशी के पलों से लेकर अकेलेपन और खामोश इंतजार तक का सफर दिखाया गया है. यह गाना एक फौजी के परिवार की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बड़ी कोमलता से पेश करता है. घर पर बिताए खुशनुमा दिनों की गर्माहट और फिर ड्यूटी की पुकार पर होने वाली जुदाई का वो मीठा सा दर्द. यह इमोशनल बदलाव कहानी में इस तरह पिरोया गया है कि गाना दिल को छू लेने वाला और बेहद मार्मिक बन जाता है. विजुअली, यह ट्रैक खुशी और तड़प के बीच एक बैलेंस बनाए रखता है. हम सलमान खान को दिल को छू लेने वाले और सौम्य पलों में देखते हैं मुस्कुराते हुए, जश्न मनाते हुए और अपने परिवार के साथ वक्त बिताते हुए, वहीं दूसरी तरफ कुछ फ्रेम्स इमोशनल दूरी और अकेलेपन को भी बयां करते हैं. चित्रांगदा सिंह ने अपने किरदार में शालीनता और एक खामोश मजबूती दिखाई है. उनकी केमिस्ट्री मैच्योर, नेचुरल और गहराई से सच्ची महसूस होती है. अयान लाल, जो इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर भी हैं, उन्होंने एक ऐसी सुकून देने वाली धुन दी है जो गाना खत्म होने के बाद भी जहन में बनी रहती है. श्रेया घोषाल और अयान लाल की आवाज ने इस ट्रैक की भावनाओं को और भी गहरा बना दिया है.

दो दीवाने सहर में में नैना बनकर सीखा कि भाई-बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं: संदीपा धर

20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही फिल्म ‘दो दीवाने सहर में में नैना के किरदार में नज़र आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुज़रे होंगे। फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ़ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के ज़रिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है। संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा हैज् यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है। इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है। रोशनी को बार-बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह ‘काफी नहीं है, और नैना पर ‘बहुत ज़्यादा परफेक्ट बने रहने का दबाव रहता है। संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर देती है। संदीपा कहती हैं कि तुलना, भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता-पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए अपनी बहन जैसी बनो जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं। गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, दो दीवाने सहर में एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

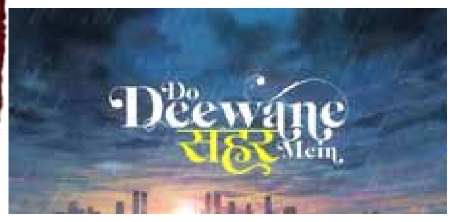

ओ रोमियो ने आते ही काटा बवाल, 7 साल बाद शाहिद की फिल्म को मिली तगड़ी ओपनिंग, ये रिकॉर्ड भी बनाया

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज ने नौ साल के बाद ओ रोमियो से बड़े पर्दे पर कमबैक किया है. ये जोड़ी इससे पहले कमीने, हैदर और रंगून जैसी शानदार फिल्में जे चुकी है. ऐसे में गैंगस्टर ड्रामा ओ रोमियो से भी काफी उम्मीदें हैं. ये फिल्म 13 फरवरी, शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई और इस फिल्म का शनाया कपूर और आदर्श गौरव की ‘तू या मैं से क्लैश हुआ है. वहीं ओ रोमियो की बात करें तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक शुरुआत की है. ऐसे में चलिए यहां जानते हैं ओ रोमियो ने रिलीज के पहले दिन कितने करोड़ से ओपनिंग की है? ओ रोमियो के ट्रेलर को काफी पसंद किया गया था. फिल्म में शाहिद कपूर के अलावा तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल और नाना पाटेकर जैसे कई दमदार कलाकारों की टोली है. जिसके चलते फिल्म को लेकर फैंस में पहले ही जबरदस्त एक्साइटमेंट थी. हालांकि विशाल भारद्वाज निर्देशित इस फिल्म का रिलीज से पहले कोई खास प्रमोशन नहीं किया गया जिसके चलते इसका बज कम ही था. लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. इसी के साथ स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ काम कर गया और इस फिल्म ने अच्छी ओपनिंग कर ली है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक ओ रोमियो ने रिलीज के पहले दिन 8.25 करोड़ की ओपनिंग की है. बता दें कि शाहिद की आखिरी सबसे बड़ी ओपनर साल 2019 की कबीर सिंह थी. इसके बाद एक्टर की साल 2024 में आई तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने 7.02 करोड़ की ओपनिंग की थी. ऐसे मे अब शाबिद की फिल्म ने 8.25 करोड़ के कलेक्शन के साथ तगड़ी शुरुआत की है. इसी के साथ शाहिद को सात साल के बाद बड़ी ओपनिंग मिली है. ओ रोमियो शाहिद कपूर की टॉप 10 ओपनर्स की लिस्ट में भी एंट्री कर चुकी है. ये एक्टर की छठी सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है. बता दें कि इसने शाहिद कपूर की तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (7.02 करोड़), मौसम (6.75 करोड़), बत्ती गुल मीटर चालू (6.76 करोड़), हैदर (6.14 करोड़) और रंगून (6.07 करोड़) के ओपनिंग डे कलेक्शन को मात दे दी है.

एनिमल 2 पर आया बड़ा अपडेट, हीरो के साथ विलेन बनेगा रणबीर कपूर

फिल्म मेकर संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल के सीक्वल एनिमल पार्क पर बड़ा अपडेट दिया है. एनिमल के जापान प्रीमियर के अवसर पर आयोजित एक वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म की शूटिंग, टाइटल और रणबीर कपूर के किरदार का खुलासा किया है. जापान के वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि उन्होंने एनिमल के सीक्वल का नाम एनिमल पार्क क्यों रखा. साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क की शूटिंग अगले साल शुरू करने वाले हैं. संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म के टाइटल के चुनाव के बारे में बात करते हुए कहा, मेरी अभी की फिल्म खत्म होने के बाद एनिमल पार्क जल्द ही शुरू होगी. फिल्म में और भी एनिमल्स होंगे क्योंकि अजीज भी एक एनिमल है. तो, इसे ध्यान में रखते हुए अब दोनों भाइयों के बीच एक जैसा लड़ाई है, इसलिए मुझे लगा कि एनिमल पार्क सही टाइटल होगा. इस दौरान वांगा ने फिल्म की शूटिंग के बारे में भी खुलासा किया है. फिल्म मेकर ने कहा, हम 2027 के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे. इस इवेंट में रणबीर कपूर जूम कॉल के जरिए जुड़े हुए थे. उन्होंने न सिर्फ अपने किरदार रणविजय सिंह को दोबारा निभाने के बारे में बात किया बल्कि विलेन अजीज का किरदार निभाने को लेकर भी अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की. बर्फी एक्टर ने खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क में डबल रोल निभाने वाले हैं. उन्होंने कहा, मैं संदीप के साथ सेट पर वापस जाने के लिए काफी एक्साइटेड हूं. साथ अपने इस किरदार (रणविजय सिंह) और दूसरे नए किरदार को निभाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं. क्योंकि यह एक कंटिन्यू चलने वाली स्टोरी है, इसलिए पार्ट वन की शूटिंग के दौरान ही उनके दिमाग में पार्ट टू की कहानी बहुत साफ थी. इसलिए, एक एक्टर के तौर पर यह मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक है.उन्होंने आगे कहा, मैं और संदीप पूरे हफ्ते या महीने एक-दूसरे से बात करते रहते हैं और अलग-अलग आइडिया पर चर्चा करते रहते हैं. मैं सच में रणविजय और अजीज का किरदार निभाने के लिए सेट पर वापस जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं.

आदर्श-शनाया की तू या मैं को दर्शकों ने नहीं दिया भाव, पहले ही दिन कमाई के लिए तरसी फिल्म

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की नई फिल्म ‘तू या मैं शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. इस सर्वाइवल ड्रामा का क्लैश शाहिद कपूर की ओ रोमियो से हुआ. वहीं ‘तू या मैं पहले ही दिन दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आई. इसी के साथ फिल्म की ओपनिंग भी बेहद ठंडी रही है. चलिए यहां जानते हैं ‘तू या मैं ने रिलीज के पहले दिन कितनी कमाई की है? आदर्श गौरव और शनाया कपूर की फिल्म ‘तू या मैं दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई. वहीं इसे ओ रोमियो से क्लैश और कुछ हफ्तों पुरानी बॉर्डर 2 और मर्दानी 3 से मुकाबला करना भारी पड़ा. जिसके चलते ये पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसे ओपनिंग डे पर बड़ी मुश्किल से लाखों कमा पाई है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक ‘तू या मैं ने रिलीज के पहले दिन 50 लाख का कलेक्शन किया है. ‘तू या मैं की कहानी दो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर आधारित है. दोनों आराम के लिए एक सुनसान जगह पर जाते हैं, लेकिन वहां उनकी मुलाकात एक मगरमच्छ से हो जाती है और उनकी जान खतरे में पड़ जाती है.

GNIOT Silver Jubilee Day 4 Showcases Innovation & Culture

Greater Noida : The fourth day of the Silver Jubilee and Founder's Day celebrations at GNIOT Group of Institutions unfolded as a grand confluence of technological innovation, academic excellence and vibrant cultural expression. Marking 25 years of achievement in education, leadership and research, the event was celebrated with enthusiasm and dignity on the institute's campus.The highlight of the day was the inauguration of the AICTE IDEA Lab at Greater Noida Institute of Technology. The lab was formally inaugurated by Chief Guest Jagdambika Pal, former Chief Minister of Uttar Pradesh and current Member of Parliament. He lit the ceremonial lamp and cut the ribbon, later interacting with students and reviewing innovative projects developed using modern technological tools.Addressing the gathering, Pal emphasized the growing significance of Artificial Intelligence and emerging technologies in shaping India's future. He commended the institution for establishing a platform like the AICTE IDEA Lab, stating that such initiatives play a vital role in advancing skill development and contributing to the vision of a self-reliant India. He encouraged students to remain future-ready by mastering advanced technologies.The event witnessed the distinguished presence of Chairman Dr. Rajesh Gupta, Vice Chairman Mr. Gaurav Gupta, GIMS CEO Mr. Swadesh Kumar Singh, Mr. J. S. Rawal, along with directors, deans, faculty members, staff and a large number of students. Among the special guests were Mr. Abhishek Sharma, District President of BJP (Gautam Buddh Nagar), Mrs. Mahamedha Nagar, BJP spokesperson, and Brigadier (Dr.) Rakesh Kumar Gupta, Director of GIMS, Greater Noida. The dignitaries inspired students to uphold discipline, dedication and innovation while contributing meaningfully to nation-building.Cultural Performances Reflect India's DiversityThe celebrations were further enriched by captivating cultural performances presented by students. Group dances, solo acts and musical renditions were organized around themes such as women empowerment, classical and semi-classical traditions, retro-to-metro transitions, Bollywood fusion, Bhangra and South Indian cultural highlights. The performances beautifully blended India's rich heritage with contemporary artistic expression, drawing enthusiastic applause from the audience.Awards and Technical Competitions Add EnergyThe prize distribution ceremony honored meritorious students with Academic Excellence Awards and Best Attendance Awards. Certificates and mementos were presented to recognize outstanding achievements.Technical competitions added a competitive spirit to the festivities. The Bridge Kriti contest saw participation from 15 teams demonstrating engineering skills and creative design. The Squid Game challenge featured 27 teams showcasing strategy and teamwork, while the online gaming competition "Battle of Bytes" engaged 52 teams, highlighting analytical thinking and technical proficiency. Winners were awarded certificates and prizes.Concluding the ceremony, Chairman Dr. Rajesh Gupta reiterated the institution's commitment to research-driven and industry-oriented education.

Siddaramaiah camp to take 27 MLAs abroad 'to counter DKS push for CLP meeting'

BENGALURU, Agency: A foreign tour by a bloc of Congress legislators aligned with CM Siddaramaiah has injected volatility into Karnataka politics, sharpening a power struggle with deputy CM DK Shivakumar over a long-speculated transition.

About 27 Congress MLAs and MLCs are set to leave for Australia and NZ Tuesday, party insiders said. Legislators insist the travel is routine, but within the party it is seen as a tactical move to undercut Shivakumar's push for a Congress legislature party meeting to press for a chang at the top.

Congress returned to offic in 2023 amid talk of a unwritten power-sharing dea under which DKS would suc ceed Siddaramaiah Anticipating a leadership push before budget session March 6, Siddaramaiah camp is said to have encouraged select leg islators to travel. The high command moved to rein in damage, with Randeep Surjewala calling MLAs to defer plans. Some complied but others went ahead, sig nalling camp loyalties.

Anubhav Sinha on Directing the Child Actor in Assi: "We Didn't Tell Him the Story Implicitly"

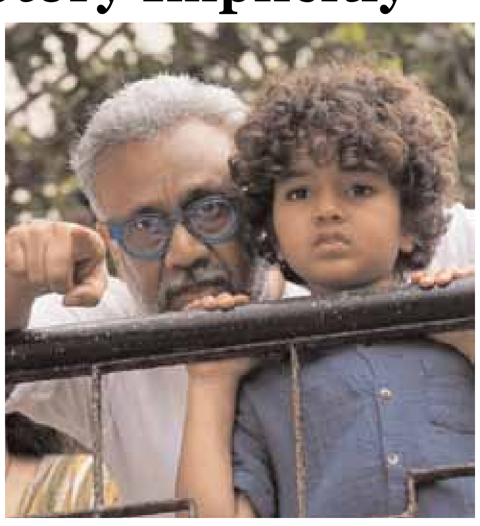

Mumbai : One of the most talked-about aspects of Assi has been the presence of young actor Advik Jaiswal, who plays a key part in the film. His performance adds an emotional depth that gently yet firmly reminds us of the world children grow up observing. Through his character, the film quietly reflects on responsibility, environment, and the realities society shapes for its youngest members.Without dramatic exaggeration, it is his natural presence on screen that stays with viewers. In a story layered with intensity, the honesty of a child's perspective, raising the right questions to the people he is surrounded by ,adds deeper meaning to the narrative, making the impact even more profound. Early reviews emerging from special premiere screenings have been overwhelmingly positive, with critics and media praising the film for its gripping storytelling and emotional strength. The makers' decision to showcase the film to audiences and press ahead of release highlights their confidence in the content ,a move that has clearly resonated. Gulshan Kumar and T-Series present ASSI, a Benaras Media Works production, directed by Anubhav Sinha and produced by Bhushan Kumar, Krishan Kumar, and Anubhav Sinha.

Adani Group Pledges $100 Billion for AI Power Grid

Ahmedabad : Adani Group has unveiled a landmark USD 100 billion investment to build renewable-powered, hyperscale AI-ready data centres across India by 2035, marking one of the world's largest integrated energy-and-compute commitments.Announced in Ahmedabad on February 17, 2026, the initiative aims to create a sovereign energy and compute backbone to power India's rise in the global artificial intelligence (AI) economy. The conglomerate said the direct investment is expected to catalyse an additional USD 150 billion across server manufacturing, electrical infrastructure, sovereign cloud platforms and allied sectors, creating a projected USD 250 billion AI ecosystem over the next decade.Chairman Gautam Adani described the move as a strategic response to what he termed the "Intelligence Revolution," saying nations that master the balance between energy generation and computing power will shape the next industrial era. He asserted that India is positioned not merely to consume AI technologies but to build and export them.5 GW Hyperscale AI Data Centre NetworkThe roadmap builds on AdaniConneX's existing 2 gigawatt (GW) national data centre footprint and expands capacity toward a 5 GW target. The network will include a gigawatt-scale AI data centre campus in Visakhapatnam in partnership with Google, alongside additional facilities in Noida. Further campuses are planned with Microsoft in Hyderabad and Pune.The group is also strengthening ties with Flipkart to develop a second AI-focused data centre tailored for next-generation digital commerce and large-scale AI workloads.According to the company, the 5 GW deployment will integrate renewable energy generation, transmission systems and high-density AI computing infrastructure into a single architecture.

Advanced liquid cooling systems, high-efficiency power frameworks and dedicated compute clusters will support Indian large language models (LLMs) and national data initiatives, reinforcing long-term data sovereignty.Renewable Energy BackboneThe AI push will be powered by renewable energy assets, including the 30 GW Khavda renewable energy project operated by Adani Green Energy, of which more than 10 GW is already operational. The group has committed an additional USD 55 billion to expand its renewable portfolio, including large-scale battery energy storage systems.Strategic cable landing stations at Adani-operated ports will ensure global connectivity with the Americas, Europe, Africa and Asia, enabling low-latency data exchange.Strengthening Domestic Supply ChainsTo reduce dependence on global supply chains, the group plans to co-invest in domestic manufacturing of high-capacity transformers, advanced power electronics, grid systems and thermal management technologies. The move aligns with India's self-reliance objectives and aims to position the country as both a data hub and a producer of AI infrastructure.The company said a portion of GPU capacity will be reserved for Indian startups, research institutions and deep-tech entrepreneurs to address compute shortages. Collaborations with academic institutions are also planned to develop AI infrastructure engineering programmes and research labs, building long-term talent capacity.

India must use AI to make governance efficient, citizen-centric: Anthropic CEO

BENGALURU, Agency: Anthropic CEO Dario Amodei said even as artificial intelligence technology produces great value, it will also bring big economic turmoil. So it is important, he said, to ensure everyone shares in the benefits, and urged India, as the world's largest democracy, to use AI to make governance more efficient and citizen-centric. "That's a really valuable use of the technology," Amodei said at the maiden edition of Anthropic's Builder Summit in Bengaluru on Monday.

Anthropic, valued at $380 billion and whose AI products are used widely by enterprises to make coding more efficient, recently launched a slew of new tools for other enterprise functions like legal, sales and marketing that caused a collapse in the share prices of software and IT services companies around the world.

Amodei's visit coincided with the AI company launching its Bengaluru operations. Speaking to some 250 developers and entrepreneurs, he noted that the technical intensity of AI adoption in India tends to be higher than elsewhere. He said he's heard ministry of statistics is building an AI system to query economic data and statistics. "Generally, govt bodies elsewhere don't move this fast," he said.

Anthropic's business run rate revenue in India, he said, has doubled over the past four months. "It's just really incredible... It mirrors the general progress and explosion in Claude models and coding models. But I think it's even more extreme in India than we've seen in other places of the world."

'Tech Produces Great Value, But Also Turmoil'

Amodei also pointed to

India's extraordinary scale as a catalyst for innovation. "You can run experiments with hundreds of millions of people. That scale allows entrepreneurs and builders to pivot quickly and learn faster in ways that simply aren't possible in smaller markets."

He said India's linguistic diversity as a powerful driver for AI innovation. It enables, he said, building tools interoperate across languages, make translation easier, and enable true multilingual capabilities. Claude, he said, is working hard to support the long tail of languages, and "with so many regional languages in India, I've seen some cool applications, including in the non-profit and social benefit space."

On the philosophy of his 38-page essay 'The Adolescence of Technology', Amodei said, "We need to understand that this technology is really going to change the world at a speed and to a degree that we haven't seen with any other technology before. That may sound hyperbolic, but if we look at the rate of improvement, diffusion, and adoption, it's something that has no real precedent in modern history." The essay emphasises core principles aimed at protecting against the worst-case risks posed by AI.

In its war against Reds, CRPF is now wiping out Maoist 'memorials'

NEW DELHI, Agency: As the country moves towards becoming Naxalism-free by March 31, it's not just the last of Maoist leaders and cadres that are being hunted or asked to surrender. The physical symbols of Left-wing extremism -- specifically, 'memorials' built by CPI(Maoist) to "honour" its top leaders and commanders killed over the years -- are also being wiped out in mission mode, ensuring that the once Naxal-infested villages are never reminded of their violent and troubled past.

In line with home minister Amit Shah's directions, reiterated at the Feb 8 review of Left-wing extremism in Raipur, the Central Reserve Police Force (CRPF) has, over the last 15 days, demolished 53 such 'memorials' across Sukma, Bijapur and Bastar in Chhattisgarh. Backed by location-mapping of these 'memorials', often with help from the locals, the CRPF is targeting the demolition of all by February end. This will be followed up with a plantation drive in the cleared areas, so that they merge with the surrounding forests, said a CRPF source.

CRPF has been at the forefront o the multi-state offensive to reclaim Maoists' pocket-boroughs and has a predominant presence in the interior villages of Bastar region through forward-operating bases.

Among the CPI(Maoist) 'memorials' -- usually tiered, concrete structures shaped like a pyramid or pagoda some topped with CPI(Maoist) insignia -- razed by earthmovers over the past fortnight were ones erected following the neutralisation of its general secretary Namballa Keshava Rao alias Basavaraju in Narayanpur in May 2025 and of central committee member Ramachandra Pratap Reddy @ Chalapathi (CC) in Gariyaband in Jan 2025.

"CRPF is very close to the goal of uprooting Left-wing extremism from the country. Its efforts now extend to eliminating the fear of Maoists from the minds of people of Chhattisgarh particularly tribals of Bastar who have borne the brunt of decades of Left-wing extremist violence.

Repatriate 'gangster' Kumar Pillai to Hong Kong: Court; cites acquittal in extradition cases

New Delhi, Agency: A Mumbai court has ordered the city police to take necessary steps to repatriate alleged gangster Kumar Pillai to his home country, Hong Kong, noting that he has been acquitted in all cases for which he was originally extradited.A Supreme Court ruling has made it clear that in the absence of permission from the extraditing country, the applicant cannot be tried in India for any other pending cases, Special MCOCA Court Judge Satyanarayan R Navander said in the order passed on February 13.

"Consequently, the prosecution is left with no option but to take steps to repatriate the applicant (Pillai) to his home country, namely Hong Kong," the judge said.

There is no material on record to suggest that the prosecution has sought permission from the Hong Kong authorities to try Pillai in the other pending cases, the court noted.

Pillai, originally an Indian citizen, migrated to Hong Kong and acquired citizenship there. He was arrested in Singapore in 2016 following a 2012 Red Corner Notice and booked under the stringent Maharashtra Control of

Organised Crime Act (MCOCA).

India had sought his extradition from a competent court in Singapore for six pending cases against him. However, Pillai's extradition was permitted for the purpose of trial in three cases.

All those cases have since been disposed of and the applicant has been acquitted, the court order noted.

Pillai's lawyer, Pankaj Kavale, contended that the purpose of extradition now stands exhausted. He submitted that the applicant is not a citizen of India, and therefore, his continued stay in the country cannot be said to be lawful.

He is required to be repatriated to Hong Kong, in view of Section 21 of the Extradition Act, he added.

The prosecution opposed the plea, saying cases are pending against the applicant and proceedings therein are yet to be concluded.

The court, however, noted that extradition was only for three cases and he has been acquitted in those matters.

The judge pointed out that no appeal has been preferred (by the prosecution) against any of those judgments.

Further, the court underlined that there is no material on record to indicate that the prosecution has approached the authorities in Hong Kong for permission to try Pillai in other pending cases.

"Therefore, in view of the extradition treaty and the settled position of law, the applicant cannot be put to trial for any other offence unless such permission is obtained," the court held.

It further directed the Mumbai police commissioner to take necessary steps for Pillai's repatriation..